रांची, मंगलवार, 16 जून 2026
संवत 2083, ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 272, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

झारखण्ड कृषि व्यापार मेला 2026

- कृषि उत्सव
- कृषि यंत्रों का प्रदर्शन
- कृषि विशेषज्ञों से सीधी बात
- कृषि व्यावहारिक कार्यशालाएँ
- खरीदार-विक्रेता के बीच व्यापारिक संवाद
- कृषि तकनीकी प्रदर्शनी
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- खेती और ग्रामीण व्यवसाय के नए आयाम जानना

झारखण्ड कृषि व्यापार मेला 2026

उद्घाटन समारोह

प्रवेश नि:शुल्क

आप सभी **मेला में सादर आमंत्रित हैं**

दिनांक: 16 से 18 जून 2026
समय: पूर्वाह्न 10 बजे
स्थान: मोरहाबादी मैदान, रांची

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

अध्यक्षता

श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की
माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण, माननीय विधायकगण
एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

अधिक जानकारी के लिए स्कैन करें

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड

PR 382440 (Agriculture, Animal Husbandry And Co- opretive Department) 26- 27

न्यूज IN ब्रीफ

मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म : उषा पोद्दार

रांची : राजधानी के हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित कल्याण एवं विकास समिति (सामुदायिक भवन के निकट) आर्थिक रूप से कमजोर स्कूली बच्चों के बीच समाजसेवी दंपत्ति मुकेश पोद्दार व उषा पोद्दार (सोनार गली,अपर बाजार स्थित बालाजी फैशन 'ड्यूक' के संचालक) के सौजन्य से वस्त्र वितरित किया गया।

मौके पर उषा पोद्दार ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है। गरीब व बेसहारा लोगों की सहायता करने से आत्मसंतुष्टि मिलती है। श्रीमती पोद्दार ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने और उनका उत्साहवर्धन करने के लिए समय-समय पर समाजसेवियों और सामाजिक संगठनों को भी बढ़-चढ़कर सहभागिता निभानी चाहिए। इस अवसर पर शहर के जाने-माने समाजसेवी तुषार कांति शीट, तापस घोष, ललन कुमार मिश्र, गौतम सहित अन्य मौजूद थे।

आपनजन बंगाली संगठन ने मनाई अपूर पाठशाला की द्वितीय वर्षगांठ

रांची/हटिया: सिंहमोड के विकासनगर स्थित आपनजन बंगाली संगठन द्वारा संचालित अपूर पाठशाला दो साल पूरे होने का उत्सव मनाया गया। रविवार को स्कूल के स्टूडेंट्स, टीचर्स और क्लब मेंबर्स ने कल्चरल प्रोग्राम के साथ जश्न मनाया। स्टूडेंट्स ने बंगाली राइम्स, कविता पाठ और म्यूज़िक के जरिए इस इवेंट को यादगार बना दिया। इस अवसर पर आपनजन बंगाली संगठन के अध्यक्ष रमेश चंद्र सरकार, सचिव जगत ज्योति राय, तन्मय मुखर्जी सहित अन्य उपस्थित थे।

पूर्व जैक पार्षद रानी कुमारी ने वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर को सौंपा ज्ञापन

रांची : झारखंड क्षेत्र स्वशासी परिषद (जैक)के पूर्व पार्षदों को पूर्व विधायकों की तरह पेंशन सहित अन्य सुविधाएं देने संबंधी मांग पत्र वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर को सौंपा।

अपने ज्ञापन में पूर्व जैक पार्षद अधिकार मंच की संयोजक व प्रवक्ता रानी कुमारी ने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माण के बाद से ही अपनी मांगों को लेकर पूर्व जैक पार्षद मुख्यमंत्री, राज्यपाल और झारखंड सरकार के समक्ष उठाते रहे, लेकिन इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि राज्य गठन में 25 वर्ष बीत गए इस दौरान कई बार झारखंड के मुख्यमंत्रियों ने आश्वासन दिया कि पूर्व पार्षदों की मांगों पर विचार किया जाएगा, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

रानी कुमारी ने कहा कि वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने इस दिशा में यथाशीघ्र यथोचित कार्रवाई करने के लिए आश्वस्त किया है।

रांची के छोटे कारोबारियों को बढ़ावा दे रहीं कोका-कोला इंडिया और मून बेवरेजेज

रांची : कोका-कोला इंडिया और मून बेवरेजेज लिमिटेड रांची के छोटे दुकानदारों, रेस्टोरेंट संचालकों और स्थानीय कारोबारियों को आगे बढ़ाने के लिए कूलिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, फ्रिज और डिजिटल टूल्स उपलब्ध करा रही हैं। कंपनी के अनुसार कोक बडी प्लेटफॉर्म के जरिए कारोबारियों को एआई आधारित जानकारी और 24 घंटे सहायता भी दी जा रही है। कोका-कोला इंडिया और साउथवेस्ट एशिया के वाइस प्रेसिडेंट संदीप बजोरिया ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य स्थानीय व्यापारियों को मजबूत बनाकर ग्राहकों तक बेहतर सेवाएं पहुंचाना है। वहीं एमएमजी ग्रुप के वाइस चेयरमैन अनंत अग्रवाल ने कहा कि आधुनिक संसाधनों की मदद से स्थानीय उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। कंपनी का कहना है कि यह पहल स्थानीय व्यवसायों, रोजगार और शहर की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में सहायक बन रही है।

अभाविप के चतरा जिला संयोजक बने विशाल प्रजापति, बधाईयों का लगा तांता

चतरा : कोडरमा में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् झारखंड प्रदेश के एकदिवसीय प्रदेश अभ्यास वर्ग का विधिवत रूप से समापन हो गया। अभ्यास वर्ग के समापन के पश्चात अभाविप के विभिन्न आयामों में दायित्वों की घोषणा की गई। इसी क्रम में चतरा जिले के सक्रिय कार्यकर्ता विशाल कुमार प्रजापति को अभाविप का चतरा जिला संयोजक का दायित्व सौंपा गया। विशाल कुमार प्रजापति लंबे समय से संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों एवं छात्र हित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके जिला संयोजक मनोनीत होने पर जिले के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में चतरा जिले में परिषद का संगठनात्मक कार्य और अधिक मजबूत होगा तथा छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के मार्गदर्शन में 90 दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम

चतराः नालसा एवं झालसा के तत्वावधान तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के मार्गदर्शन एवं सचिव के नेतृत्व में सोमवार को संदीप कुमार गुप्ता वशिष्ठ नगर जोरी एवं हंटरगंज प्रखण्ड के जोरी में अधिकार मित्र गुड़िया कुमारी के नेतृत्व में 90 दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम सह वरिष्ठजन अधिकार सशक्तिकरण और गरिमा पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों को वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली विधिक सेवाएं तथा अधिकार के बारे में बताया गया।उपस्थित लोगों को यह जानकारी दी गई कि हमें हमेशा वरिष्ठजनों के मान-सम्मान का ध्यान रखना चाहिए, उनकी गरिमा को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए। साथ ही श्रमिकों को मिलने वाली विधिक सेवाएं, बच्चों को मैत्रीपूर्ण शिक्षा तथा साइबर क्राइम पर जागरूक किया गया।

नशीले पदार्थों के विरुद्ध राज्यव्यापी जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ

उपायुक्त ने तीन एलईडी प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, नशामुक्ति की दिलाई शपथ

संवाददाता

चतरा : नशीले पदार्थों के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति समाज को जागरूक करने एवं नशामुक्त झारखंड के संकल्प को साकार करने की दिशा में समाहरणालय परिसर में सोमवार को राज्यव्यापी जनजागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रवि आनंद ने तीन एलईडी प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निदेर्शानुसार 15 जून से 26 जून 2026 तक संचालित होने वाले इस विशेष अभियान के तहत सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, द्वारा तैयार तीनों एलईडी प्रचार रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के संबंध में व्यापक जन जागरूकता फैलाया जाएगा। रथों के माध्यम से आमजन, विशेषकर युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि नशीले पदार्थ न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं, बल्कि परिवार एवं समाज की खुशहाली के लिए भी गंभीर चुनौती बनते हैं। उन्होंने कहा कि नशामुक्त समाज का निर्माण केवल प्रशासनिक प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए सामूहिक जनभागीदारी एवं सामाजिक जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने

युवाओं से नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।इस दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने नशामुक्ति की शपथ लेते हुए स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।अभियान के दौरान एलईडी प्रचार रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर नशे के दुष्परिणामों, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों तथा नशामुक्त जीवन के महत्व से संबंधित संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे। इसके माध्यम से लोगों को स्वस्थ, जागरूक एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया जाएगा।इस अवसर पर अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, जिला नजारत शाखा प्रभारी विनय कुमार, जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद, डीएसपी मुख्यालय सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

मोहर्रम के चांद की पहली तारीख पर गूंजेगी सौहार्द्र की मिसाल

एक ही आंगन में मंदिर की घंटियां और अजान की गूंज, रांची में कुल्हाड़ी शाह बाबा का उर्स 17 जून से

गुलाम शाहिद

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में 17 जून को मोहर्रम के चांद की पहली तारीख के साथ सांप्रदायिक सौहार्द्र और गंगा-जमुनी तहजीब की अनूठी मिसाल देखने को मिलेगी। महात्मा गांधी मार्ग (मेन रोड) स्थित हजरत कुल्हाड़ी शाह बाबा की मजार और श्री श्री मां आनंदमयी आश्रम काली माता मंदिर एक ही प्रांगण में आमने-सामने स्थित हैं, जहां मंदिर की घंटियों की मधुर ध्वनि और मजार से उठती अजान की गूंज एक साथ वातावरण को आध्यात्मिकता से सराबोर करती

है।

मान्यताओं के अनुसार, हजरत कुल्हाड़ी शाह बाबा 19वीं सदी के प्रारंभ में उत्तर प्रदेश से रांची आए थे। वे हमेशा अपने साथ एक कुल्हाड़ी रखते थे, जिसके कारण स्थानीय लोगों ने उन्हें सम्मानपूर्वक ₹कुल्हाड़ी शाह बाबा₹ के नाम से पुकारना शुरू कर दिया। समय के साथ बाबा की दरगाह श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र बन गई।

हर वर्ष मोहर्रम के चांद की पहली तारीख को बाबा के सम्मान में दस दिवसीय सालाना उर्स का आयोजन किया जाता है। उर्स के दौरान कुरानख्वानी, चादरपोशी, संदल पेशी तथा सामूहिक दुआओं का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा की मजार पर हाजिरी लगाकर अमन, भाईचारे और खुशहाली की दुआ मांगते हैं।

उर्स की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग समान उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लेते हैं। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि मानवता, आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता का भी जीवंत संदेश देता है।

रांची की यह ऐतिहासिक धरोहर आज भी देश को यह संदेश देती है कि विविधता में एकता ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

ऑल इंडिया कोल वर्कर्स फेडरेशन कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

संवाददाता

रांची : ऑल इंडिया कोल वर्कर्स फेडरेशन (एआईसीडब्ल्यूएफ) की दो दिवसीय कार्यकारिणी बैठक 13 एवं 14 जून 2026 को तेलंगाना राज्य के गोदावरीखनी में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में झारखण्ड कोलियरी मजदूर यूनियन (जेसीएमयू) का प्रतिनिधित्व करते हुए एआईसीडब्ल्यूएफ के सचिव कॉमरेड जयनारायण महतो, कार्यकारी सदस्य कॉमरेड शिव सागर सिंह एवं कॉमरेड पंकज कुमार महतो ने सक्रिय रूप से भाग लिया।बैठक के दौरान जेसीएमयू केंद्रीय सदस्य सह जोनल सचिव कॉमरेड जयनारायण महतो ने कोयला उद्योग में कार्यरत श्रमिकों, तकनीकी कर्मियों, विस्थापित परिवारों, ठेका श्रमिकों तथा विभिन्न कोल कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। साथ ही संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, श्रमिक अधिकारों की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा एवं रोजगार से जुड़े मुद्दों पर अपने महत्वपूर्ण विचार रखे तथा संगठन को जमीनी स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने के लिए रचनात्मक सुझाव प्रस्तुत किए।जेसीएमयू के केंद्रीय सदस्य सह सीसीएल उपाध्यक्ष ने फेडरेशन की बैठक का चर्चा करते हुए बताया कि

यह महत्वपूर्ण बैठक सीटू के राष्ट्रीय अध्यक्ष कॉमरेड सुदीप दत्ता, ऑल इंडिया कोल वर्कर्स फेडरेशन (एआईसीडब्ल्यूएफ) के अध्यक्ष कॉमरेड जीके श्रीवास्तव, महासचिव कॉमरेड रामनंदन, उपमहासचिव कॉमरेड बीएम मनोहर सहित विभिन्न राज्यों से आए वरिष्ठ श्रमिक नेताओं एवं प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुई। बताया कि बैठक में श्रमिक एकता को और मजबूत करने, मजदूरों के अधिकारों की रक्षा, कोल उद्योग के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों तथा श्रमिक हितों से जुड़े राष्ट्रीय मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। साथ ही भविष्य की संगठनात्मक रणनीति एवं आंदोलनात्मक कार्यक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

झारखण्ड कोलियरी मजदूर यूनियन के प्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त किया कि एआईसीडब्ल्यूएफ एवं सीटू के नेतृत्व में देशभर के कोयला श्रमिकों की आवाज को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा मजदूर हितों की रक्षा के संघर्ष को नई दिशा प्राप्त होगी।

चतरा में जलमीनार बना शो-पीस

30 घरों में पेयजल संकट, हर घर नल योजना पर उठे सवाल

चतरा : जिले के प्रतापपुर प्रखंड अंतर्गत जोगिडीह पंचायत के कल्याणपुर गांव में सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल से जल योजना ग्रामीणों के लिए राहत के बजाय परेशानी का कारण बन गई है। गांव में लाखों रुपये की लागत से निर्मित जलमीनार पिछले करीब एक वर्ष से बंद पड़ा है, जिसके कारण लगभग 30 घरों तक नल का पानी नहीं पहुंच पा रहा है। भीषण गर्मी के बीच ग्रामीणों को पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार करीब एक वर्ष पूर्व आकाशीय बिजली (वज्रपात) गिरने से जलमीनार का सिस्टम खराब हो गया था। इसके बाद दो माह पूर्व विभागीय स्तर पर मरम्मत के लिए जलमीनार में लगे उपकरण और समरसेबल पंप को खोलकर मैकेनिक अपने साथ ले गए। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि जल्द ही मरम्मत कर जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी, लेकिन दो महीने बीत जाने के बावजूद जलमीनार अब तक चालू नहीं हो सका है। स्थिति और भी गंभीर तब हो गई जब गांव में मौजूद चापाकल को भी मरम्मत के नाम पर खोलकर छोड़ दिया गया। इससे ग्रामीणों के सामने पेयजल का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है। महिलाएं और बच्चे दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जलमीनार और चापाकल दोनों के बंद रहने से रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। ग्रामीण रामप्रवेश ठाकुर, सतेंद्र ठाकुर, गौरव कुमार समेत अन्य लोगों ने बताया कि सरकार की योजना का लाभ उन्हें नहीं मिल रहा है। गांव में बने नल केवल शोपीस बनकर रह गए हैं। लोगों ने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप कर अविलंब जलापूर्ति बहाल कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने उपायुक्त रवि आनंद से भी मामले को संज्ञान में लेकर आवश्यक कार्रवाई कराने की अपील की है ताकि गांव के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। इधर जोगिडीह पंचायत के मुखिया बीरेंद्र यादव ने कहा कि जलमीनार खराब होने की सूचना संबंधित विभाग को दे दी गई है। विभागीय अधिकारियों से लगातार संपर्क किया जा रहा है और जल्द ही मरम्मत कार्य पूरा कर जलापूर्ति शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा।

अम्बिकापुर-बरवाडीह स्पर परियोजना को मिली विशेष रेल परियोजना की स्वीकृति

संवाददाता

चतरा : चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के माध्यम से अम्बिकापुर- बरवाडीह स्पर (चिरमिरी रेल लाइन) परियोजना (कुल लंबाई 261.838 किमी) को राष्ट्रीय अवसंरचना के अंतर्गत विशेष रेल परियोजना के रूप में आधिकारिक स्वीकृति प्रदान की गई है। यह

परियोजना केवल एक रेल मार्ग नहीं, बल्कि इस क्षेत्र की वर्षों पुरानी जनभावनाओं, विकास की आकांक्षाओं और लाखों लोगों के सपनों का साकार रूप है। इसके पूर्ण होने पर छत्तीसगढ़ एवं झारखंड के बीच रेल संपर्क और अधिक मजबूत होगा, जिससे आवागमन सुगम, सुरक्षित और तीव्र होगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से क्षेत्र में व्यापार, कृषि, उद्योग एवं पर्यटन को नई गति मिलने की प्रबल संभावना है। साथ ही, विशेषकर आदिवासी एवं ग्रामीण अंचलों के लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा के साथ-साथ रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर भी प्राप्त होंगे। यह परियोजना विकास की मुख्यधारा से अब तक वंचित रहे क्षेत्रों को जोड़ते हुए उन्हें नई पहचान दिलाने में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

डीसी ने की ईएमआरएस चारू विद्यालय प्रबंधन समिति के साथ बैठक

संवाददाता

चतराः समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रवि आनंद की अध्यक्षता में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस), चारू, कान्हाचट्टी की विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालय की शैक्षणिक प्रगति, छात्रावास प्रबंधन, आधारभूत संरचना विकास, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा छात्र कल्याण से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत समीक्षा एवं विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने विद्यालय में संचालित नामांकन प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए इसे शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया तथा अधिक से अधिक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दूरस्थ एवं वंचित क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराना विद्यालय की प्राथमिक जिम्मेदारी है।विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। आवश्यकता पड़ने पर डीएमएफटी अथवा निजी चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध कराने पर भी सहमति बनी, ताकि विद्यार्थियों को समय पर बेहतर

स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो सकें।बैठक में विद्यालय परिसर के समग्र विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उपायुक्त ने बाउंड्री वॉल निर्माण संबंधी प्रतिवेदन उपलब्ध कराने, भवन अनुरक्षण रिपोर्ट एनईएसटीएस को भेजने तथा विद्युत कनेक्शन से संबंधित लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया। साथ ही अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु अग्निशामक यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा वैकल्पिक सुरक्षा उपाय के रूप में रेत एवं पानी की व्यवस्था बनाए रखने पर बल दिया गया।शैक्षणिक संसाधनों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से विद्यालय पुस्तकालय हेतु आवश्यक पुस्तकों की सूची तैयार करने तथा कंप्यूटर क्रय के लिए प्रस्ताव प्रेषित करने का निर्णय लिया गया। वहीं शिक्षण कार्य की निरंतरता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अतिथि शिक्षकों के कार्यकाल विस्तार हेतु वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित करने पर भी चर्चा की गई। बैठक में विद्यालय की अन्य आवश्यकताओं के लिए सांसद को प्रस्ताव भेजने, आउटसोर्सिंग कर्मियों की उपस्थिति एवं कार्य निष्पादन की नियमित समीक्षा करने तथा विद्यालय प्रशासन को और अधिक प्रभावी एवं जवाबदेह बनाने संबंधी विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

झारखण्ड सरकार कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोंदा, राँची।
अतिअल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं०–21/2026–27
Email Id – eedwsd.gonda@gmail.com

1.	विभाग का नाम	:– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड, राँची।
2.	विज्ञापनदाता का नाम	:– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
3.	परिमाण विपत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एंव समय	:– 22.06.2026 को अपराह्न 1.00 बजे तक।
4.	निविदा प्राप्ति की तिथि एंव समय	:– 23.06.2026 को अपराह्न 3.00 बजे तक।
5.	निविदा खोलने की तिथि एंव समय	:– 23.06.2026 को अपराह्न 3.30 बजे ।
6.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:– 1) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा,राँची। 2) अधीक्षण अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता नागरिक अंचल, राँची।
7.	निविदा प्राप्ति एंव खोलने का स्थान–	:– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।
8.	कार्यो की विवरणी	:–

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अवधान की राशि	B.O.Q. का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Day to Day Repair and Replacement of Plumbing Fixtures at DC Residential Office, DC Residence, DDC Residence and Vikas Bhawan Campus, Ranchi under D.W.&S. Division, Gonda, Ranchi (For 9 Months).	12,99,385.00	26,000.00	2500.00	09 माह

नियम एवं शर्तें सूचनापट् पर देखा जा सकता है।
PR 382422 Drinking Water and Sanitation(26-27)D

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गोन्दा, राँची।

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 16 जून 2026

संवत 2083, ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 272 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 श्मशान घाट में संवेदनहीनता परिजनों के लिए दूसरा आघात

लग्जरी लाइफ जीती हैं उर्मिला मातोंडकर नेटवर्थ कम से कम 68 .28 करोड़ 6

नीट यूजी री-एग्जाम से पहले सरकार ने टेलीग्राम पर लगाया बैन: एनटीए

नई दिल्ली: नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने कहा है कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'टेलीग्राम' पर 22 जून तक प्रतिबंध लगा दिया है। एजेंसी ने इस कदम का स्वागत किया है ।

एनटीए के मुताबिक, सरकार ने यह कदम 21 जून को होने वाली नीट (यूजी) 2026 पुनर्परीक्षा से पहले लिया है ।

समाचार एजेंसी पीटीआई और एएनआई ने एनटीए की ओर से जारी प्रेस रिलीज साझा की है, जिसमें बताया गया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आईटी एक्ट 2000 की धारा 69ए के तहत टेलीग्राम पर प्रतिबंध लगाया है ।

इसके अलावा मंत्रालय ने टेलीग्राम को यह निर्देश भी दिया है कि भारत में पहले से पोस्ट किए गए मैसेज को एडिट करने की सुविधा 30 जून 2026 तक के लिए बंद की जाए ।

एनटीए के मुताबिक, यह कदम उस सुविधा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, जिसमें इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल राष्ट्रीय परीक्षाओं में 'पेपर लीक' से जुड़े सबूत गढ़ने के लिए किया जाता है। इस साल हुई नीट (यूजी) परीक्षा में पेपर लीक की शिकायत के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई थी । इस मामले को लेकर देशभर में विरोध देखा गया । एनटीए ने 21 जून को दोबारा इस परीक्षा को कराने का फैसला लिया है ।

सरकार ने नियमों में किया बड़ा बदलाव

अब बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं मिलेगी कफ सिरप

नई दिल्ली: देशभर में अब कफ सिरप समेत विभिन्न औषधीय सिरप खरीदने के लिए डॉक्टर की पर्ची अनिवार्य होगी। केंद्र सरकार ने ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन करते हुए सिरप की ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) बिक्री पर रोक लगाने का फैसला किया है। नए नियम लागू होने के बाद फार्मेसी से सिरप खरीदने के लिए पंजीकृत चिकित्सक द्वारा जारी प्रिस्क्रिप्शन दिखाना जरूरी होगा। केंद्र सरकार ने 9 जून 2026 को जारी अधिसूचना के जरिए ड्रग्स रूल्स, 2026 लागू किए हैं। यह संशोधन ड्रग्स कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 12 और 33 के तहत किया गया है और आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने के साथ ही प्रभावी हो गया है।

सरकार ने ड्रग्स रूल्स, 1945 की शेड्यूल में सूचीबद्ध दवाओं की श्रेणी से सिरप शब्द को हटा दिया है। इसके परिणामस्वरूप सिरप अब ओवर-द-काउंटर दवाओं की श्रेणी में नहीं रहेंगे और उनकी बिक्री पर सख्त नियामकीय नियंत्रण लागू होगा। नए नियम के तहत कफ सिरप सहित औषधीय सिरप खरीदने के लिए उपभोक्ताओं को रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर द्वारा जारी प्रिस्क्रिप्शन दिखाना होगा। इससे उन सिरपों की सामान्य खरीद प्रभावित होगी, जिन्हें अब तक लोग सीधे मेडिकल स्टोर से खरीद लेते थे।

सरकार का यह कदम ऐसे समय आया है जब मध्य प्रदेश और राजस्थान में दूषित कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत के मामलों ने दवाओं की गुणवत्ता और निगरानी को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए थे। इन घटनाओं के बाद सिरप के निर्माण और बिक्री पर कड़े नियंत्रण की मांग तेज हो गई थी।

नहाने के दौरान गंगा नदी में डूबा बच्चा , खोजबीन जारी

मेट्रो रेज

साहिबगंज: संत जेवियर स्कूल के पीछे गंगा घाट में स्नान करने के दौरान एक बच्चा डूब गया। इस संबंध में लोगों ने बताया कि हरिपुर मोहल्ला निवासी अरुण पांडे का इकलौता पुत्र अभिज्ञान पांडे संत जेवियर्स स्कूल में कक्षा 8 का छात्र है। वह घर से कबड्डी खेलने निकला था और संत जेवियर्स स्कूल के पीछे स्थित गंगा घाट में नहाने के क्रम में गहरे पानी में जाने से लापता हो गया। मामले की सूचना गंगा थाना प्रभारी लव कुमार को दी गयी। सूचना मिलते ही वे अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और जांच में जुट गए। स्थानीय मछुवारे भी बच्चे को ढूढ़ने में मदद कर रहे हैं। इस मामले को लेकर सीओ बासुकिनाथ टुडु व अंचल कार्यालय कर्मी घटना स्थल पर पहुंचकर खोजबीन में सहयोग कर रहे है। समाचार लिखे जाने तक खोज बीन जारी थी।

कोयला लदे हाइवा की चपेट में आने से इसीएल के रिटायर्ड कर्मी की मौत, रोड जाम

धनबाद: जिले के निरसा थाना क्षेत्र के निरसा जामताड़ा रोड स्थित खुशरी मोड में मंगलवार की सुबह कोयला लदे एक हाईवा की चपेट में आने से स्कूटर सवार रिटायर्ड इसीएल कर्मी पांडरा निवासी मनोज सिन्हा (65) की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि उसी गांव की रहने वाली बीना घोष (62) गंभीर रूप से घायल हो गई।

स्थानीय लोगों ने किया सड़क जाम : घटना के बाद काफी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने निरसा जामताड़ा रोड को जाम कर दिया। एमपीएल में कोयला और फ्लाई ऐश का ट्रांसपोर्टिंग ठप है। पूर्व मुखिया और समाजसेवी रोबीन धीवर ने गंभीर रूप से घायल महिला को धनबाद स्थित अशर्फी अस्पताल में भर्ती करवाया। इस दौरान स्थानीय लोगों के साथ निरसा पुलिस की तीखी नोंक झोंक तक हो गई।

सूचना मिलने के बाद विधायक अरुप चटर्जी, झामुमो नेता तपन तिवारी, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष डॉ संतोष राय, पूर्व मुखिया रोबिन धीवर सहित अन्य मौके पर पहुंचे. स्थानीय लोगों के द्वारा एमपीएल में ट्रांसपोर्टिंग के लिए अलग एप्रोच रोड का निर्माण करने या इस रोड का चौड़ीकरण कर अलग सड़क से ही ट्रांसपोर्टिंग करने की मांग को लेकर शव के साथ प्रदर्शन जारी है।

डायमंड हार्बर में अभिषेक बनर्जी पर 300 करोड़ की मिट्टी चोरी का एफआईआर दर्ज

एजेंसी

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक और बड़ा विवाद सामने आया है। डायमंड हार्बर से तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ करीब 300 करोड़ रुपये के अवैध मिट्टी खनन और तस्करी के आरोप में एफआईआर दर्ज करायी गयी है। भाजपा नेता और पूर्व लोकसभा प्रत्याशी अभिजीत विश्वास उर्फ बॉबी ने डायमंड हार्बर के कालीतला आशुलिया थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए दावा किया है कि वर्षों से बड़े पैमाने पर अवैध रूप से मिट्टी काटकर बेची गयी, जिससे सरकारी राजस्व और पर्यावरण दोनों को भारी नुकसान हुआ।

शिकायत के अनुसार, इस मामले में केवल अभिषेक बनर्जी ही नहीं, बल्कि उनके सहयोगी सुमित राय, विष्णुपुर के जेल में बंद तृणमूल विधायक दिलीप मंडल सहित कुल 23 लोगों के नाम एफआईआर में शामिल किये गये हैं। भाजपा नेता का आरोप है कि वर्ष 2017 से चरणबद्ध तरीके से करीब 163 बीघा जमीन से अवैध रूप से मिट्टी काटकर उसकी तस्करी की गयी, जिसकी अनुमानित कीमत 300 करोड़ रुपये से अधिक है। उनका दावा है कि वर्ष 2022 और 2023 के दौरान यह अवैध कारोबार सबसे अधिक सक्रिय रहा।

शिकायत के समर्थन में अभिजीत विश्वास ने पुलिस को सैटेलाइट तस्वीरें भी सौंपी हैं। उनका कहना है कि इन तस्वीरों में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि किन-किन स्थानों से बड़े पैमाने पर मिट्टी की खुदाई की गई और इससे भूमि को गंभीर नुकसान पहुंचा। अभिजीत विश्वास ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे को पहले भी कई बार उठाया गया, लेकिन तत्कालीन पुलिस प्रशासन ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि अनियंत्रित मिट्टी कटाई से क्षेत्र का पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ रहा है और भविष्य में स्थानीय लोगों को भूमि क्षरण जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

2.567 किलो अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

चतरा : जिले में पुलिस ने पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र के सिरकोल इलाके से लगभग 13 लाख रुपये मूल्य की 2.567 किलोग्राम अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार तस्कर मनीष मुंडा थाना क्षेत्र के बड़कीटांड खैरा गांव का निवासी है. पुलिस ने उसके पास से तस्करी में प्रयुक्त एक आर-15 मोटरसाइकिल भी जब्त की है.

अफीम खेप के साथ व्यक्ति गिरफ्तार : इस संबंध में सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊसाहब ने समाहरणालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अफीम की खेप लेकर पत्थलगड़ा से गिद्धौर की ओर जा रहा है.

2.567 किलो अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार : सूचना के सत्यापन के बाद तत्काल एक छापामारी दल का गठन किया गया और सिरकोल इलाके में वाहन जांच अभियान चलाया गया. जांच के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को बाइक से जाते हुए रोका. तलाशी लेने पर उसके पास से 2.567 किलोग्राम अफीम बरामद हुई. बरामद अफीम की बाजार कीमत करीब 13 लाख रुपये आंकी गई है. इसके बाद पुलिस ने मौके पर ही तस्कर को गिरफ्तार कर लिया.

अफीम सप्लाई नेटवर्क की जांच जारी : पूछताछ में पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अफीम की यह खेप कहां से लाई गई थी और इसे किसे पहुंचाया जाना था. साथ ही इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है.

बड़े नेटवर्क के खुलासे की उम्मीद : पुलिस का मानना है कि पूछताछ से नशा तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा हो सकता है. एसडीपीओ ने कहा कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी और इस धंधे में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा. उन्होंने लोगों से भी नशा कारोबार की सूचना पुलिस को देने की अपील की.

आरोपी जेल भेजा गया : छापेमारी अभियान में सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊसाहब, पत्थलगड़ा थाना प्रभारी राकेश कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक विजय कुमार और प्रदीप कुमार सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही. गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करते हुए जेल भेज दिया गया है.

अमेरिका के साथ समझौते के बावजूद ईरान किसी भी स्थिति के लिए तैयार: पेजेश्कियान

तेहरान: ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा कि ईरान-अमेरिका समझौता युद्ध खत्म करने की दिशा में एक अहम कदम है, लेकिन ईरान किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। पेजेशकियन ने एक्स पर कहा, जिस बात पर सहमति बनी है वह युद्ध रोकने और बातचीत शुरू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है लेकिन अभी अंतिम समझौता होना बाकी है। ईरान का इस्लामिक गणराज्य सभी विकल्पों के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि ईरान की सरकार अमेरिका के साथ अंतिम समझौते के बिना भी या उसके साथ लोगों की सेवा करेगी।

ट्रंप का ऐलान: अमेरिका-ईरान डील का अगला पड़ाव बाकी

समझौते पर हस्ताक्षर के लिए जेडी वेंस जाएंगे स्विट्जरलैंड

वाशिंटन/एजेंसी: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में ईरान के साथ होने वाले शांति समझौते पर हस्ताक्षर कार्यक्रम में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से खबर में कहा कि ट्रंप और वेंस दोनों ने ईरान के मुख्य वातार्कार मोहम्मद बगेर गालिबाफ के साथ इस समझौते के मसौदे पर डिजिटल हस्ताक्षर कर दिए हैं।

ट्रंप ने फ्रांस में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि वेंस हस्ताक्षर समारोह में शामिल होंगे। समारोह में उनकी उपस्थिति के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, "मैं शामिल हो भी सकता हूं और नहीं भी।" उन्होंने कहा कि समझौते का पूरा ब्योरा "जल्द ही... शुक्रवार के बाद किसी समय" सार्वजनिक किया जाएगा। उधर, अमेरिका में 'एबीसी न्यूज' के कार्यक्रम 'गुड मॉर्निंग अमेरिका' में वेंस ने कहा, "हमने कल यानी रविवार को ही समझौते पर डिजिटल हस्ताक्षर कर दिए।" उन्होंने कहा कि इसका विस्तृत विवरण इस सप्ताह के अंत तक जारी किए जाने की संभावना है।

पाकिस्तान और कतर सहित कई मध्यस्थ देशों की पहल से इस समझौते पर सहमति बनी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को कहा कि उनका देश 19 जून को स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच समझौते के हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी करेगा। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से खबर दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य शुक्रवार तक पूरी तरह खोल दिए जाने की उम्मीद है। साथ ही, तेल और गैस की आपूर्ति को सुचारु और तेज बनाने के लिए बड़े टैंकरों की आवाजाही को प्राथमिकता दी जाएगी।

पेजेशकियन ने बताया कि अमेरिका के साथ समझौता ज्ञापन तैयार करने में ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अहम भूमिका निभाई। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा, ईरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने वाली धाराओं को शामिल करने में सम्मानित सर्वोच्च नेता के मार्गदर्शन की सबसे बड़ी भूमिका रही है और हम इसके लिए उनके आभारी हैं।

15 जून को, ईरान और अमेरिका ने उस ज्ञापन के पूरा होने की पुष्टि की, जिस पर 19 जून को स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षर होने हैं। ईरानी पक्ष ने बताया कि इस ज्ञापन में लेबनान समेत सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई खत्म करने की बात कही गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को पुष्टि किया कि ईरान के साथ ज्ञापन पर वास्तव में हस्ताक्षर हो चुके हैं। ईरान ने कहा कि ज्ञापन के बाद, दोनों पक्ष एक अंतिम समझौते पर बातचीत शुरू करेंगे, जिससे ईरान के परमाणु मुद्दे और तेहरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों का समाधान हो सकेगा।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

पौधों को संतान की तरह पालने का सुख

सहसा विश्वास नहीं होता कि कोई व्यक्ति अपनी पीड़ा को आंसुओं में बदलने की जगह हरियाली में बदल दे। मध्यप्रदेश के रीवा जिले के दीनानाथ कोल और उनकी पत्नी ने संतान नहीं होने पर पेड़ों को ही अपनी संतान मान लिया और पिछले 36 साल में 10 हजार से अधिक पौधे न सिर्फ लगाए बल्कि उन्हें पाल-पोसकर वृक्ष भी बनाया। कोल दंपत्ति का यह संकल्प इसलिए भी अहम है क्योंकि हरियाली है तो जल है और जल है तो कल है की सच्चाई को जानते तो सब हैं लेकिन अपने जीवन में इसे अपनाते हुए कर्मशील रहने वाले बिरले ही होते हैं। देश में हर बार साल में एक दिन पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएं और आम जनता की ओर से भी इस दिन बड़ी संख्या में पौधरोपण होता हैं। कुछ लोग एवं संस्थाएं हरियाली बढ़ाने के जतन गंभीरता से कर भी रहे हैं लेकिन रस्मअदायगी भी कम नहीं होती। हर साल पौधरोपण के नाम पर सरकारें करोड़ों रुपए के बजट प्रावधान रखती हैं, लेकिन इसका सदुपयोग पूरी तरह होता दिखता ही नहीं। दिखावे के लिए पौधरोपण करना एक बात है और इन्हें पेड़ बनाना दूसरी बात। भ्रष्टाचार की पौध से कागजों में हरियाली और धरातल पर कुछ नहीं जैसी खबरें आए दिन सुर्खियां बनती है। हाल में राजस्थान में भी कागजों में हरियाली दिखाने का भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि पौधरोपण अभियान में बिना पौधे लगाए ही करोड़ों रुपए का भुगतान उठा लिया गया। कागजों में हरियाली दिखाकर करोड़ों रुपए हजम कर जाने के मामले राजस्थान में ही नहीं देश भर में अलग-अलग राज्यों में गाहे-बगाहे सामने आते रहते हैं। अक्सर देखा जाता है कि पौधरोपण अभियान चलाकर पौधे लगाने का काम होता भी है तो उनकी देखभाल ढंग से नहीं की जाती। यही कारण है कि हरियाली आंकड़ों में ज्यादा और धरातल पर कम दिखाई देती है। यदि एक परिवार दस हजार पौधे लगाकर उन्हें पेड़ बनाने का काम कर सकता है तो हजारों कर्मचारियों वाले वन विभाग के माध्यम से यह काम क्यों नहीं हो सकता? हर लगाया गया पौधा प्रकृति को सुरक्षित और हमारे भविष्य को हरा-भरा बनाने की दिशा में एक सार्थक कदम है। वृक्ष, मानव जाति का वह सबसे अच्छा मित्र है जो हमें सिर्फ देता ही है, हमसे कुछ लेता नहीं है। पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ वृक्ष आर्थिक प्रगति में भी भागीदार बन सकते हैं। दीनानाथ कोल के प्रयासों का एक अंश भी सब अनुसरण करने लग जाएं तो इससे अच्छा क्या हो सकता है। ऐसे लोग प्रोत्साहन के साथ-साथ सम्मान के भी हकदार हैं। प्रकृति को और सुंदर बनाना है तो सिर्फ एक दिन की रस्म अदायगी से कुछ नहीं होने वाला। पौधा लगाना ही काफी नहीं उसके वृक्ष बनने तक देखभाल करना अपनी आदत में शुमार करना होगा।

सरकारी स्कूलों में सुधार की अनुकरणीय पहल

हाल ही के दिनों में देश के कई हिस्सों में यह देखने में आया है कि अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला महंगे प्राइवेट स्कूलों की बजाय सरकारी स्कूलों में कराने को प्राथमिकता देने लगे हैं। सरकारी स्कूलों में संसाधनों के साथ शिक्षण व्यवस्था बेहतर हो तो इस रुझान को और बढ़ाया जा सकता है। बिहार सरकार ने इसी दिशा में पहल करते हुए सरकारी स्कूलों में कार्यरत नियमित और संविदा शिक्षकों को प्राइवेट कोचिंग सेंटर से जुड़ने व अपने स्तर पर ट्यूशन पढ़ाने पर रोक लगा दी है। ऐसा करते हुए पाए जाने पर इसे सेवा शर्तों का उल्लंघन मानते हुए संबंधित शिक्षक पर विभागीय कार्रवाई, वेतन रोकने व निलंबन तक की सख्ती अमल में लाई जाएगी। लंबे समय से यह शिकायत मिल रही थी कि सरकारी स्कूलों के शिक्षक स्कूल समय के बाद प्राइवेट कोचिंग में सेवाएं दे रहे हैं।

आमतौर परसरकारी स्कूलों में अपेक्षाकृत अधिक अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षक होते हैं। जिन सरकारी शिक्षण संस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है, वहां बच्चे अच्छा रिजल्ट भी ला रहे हैं। केंद्रीय विद्यालय व नवोदय विद्यालय इसके उदाहरण हैं। लेकिन जहां अनदेखी की जाती है वहां कई मामलों में सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षक सेवा शर्तों का उल्लंघन करते हुए कोचिंग संस्थानों अथवा निजी शिक्षण संस्थानों से जुड़ जाते हैं या फिर निजी स्तर पर ट्यूशन शुरू कर देते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सरकारी स्तर पर समुचित निगरानी होती ही नहीं। जाहिर तौर पर सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे इन्हीं शिक्षकों के बेहतर अध्यापन से वंचित रह जाते हैं क्योंकि उनका सारा ध्यान निजी क्षेत्र की ओर रहने लगा है। हैरत की बात यह है कि सरकारी स्कूल में जिस शिक्षक की कक्षा में बच्चों का नामांकन ही नाम मात्र का होता है वही शिक्षक कोचिंग सेंटर पर जाता है तो ऊंची फीस देकर पढ़ने वाले बच्चों की भीड़ नजर आती है। यह ऐसी विषमता है जो शिक्षा को समान शिक्षा का मंच बनने के बजाय वर्गीय विभाजन का औजार बना देती है। निजी कोचिंग व प्राइवेट ट्यूशन में अपनी ऊर्जा झोंकने वाले शिक्षकों के लिए सरकारी स्कूलों में पढ़ाना औपचारिकता ही बनकर रह जाता है। इस बदहाली की वजह सरकारें ही हैं जो निजी शिक्षा तंत्र को बढ़ावा देते हुए अपने ही संस्थानों की अनदेखी करती हैं। चिंता इस बात की भी है कि समुचित सुविधाएं जुटाना तो दूर, सरकारें नियम-कायदे बनाकर इन्हें लागू करना ही भूल जाती हैं। आज अभिभावक भी चाहते हैं कि बच्चों की शिक्षा पर पड़ने वाले भार को कम किया जाए। यह तभी संभव है जब सरकारी स्कूलों की दशा सुधारी जाए। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों में ट्यूशन की प्रवृत्ति रोकने के लिए सेवा शर्तों को सख्ती से लागू कराना होगा। यह भी ध्यान में रखना होगा कि समुचित निगरानी भी हो अन्यथा ऐसे आदेश कागजी फरमान बनकर रह जाएंगे।

श्मशान घाट में संवेदनहीनता परिजनों के लिए दूसरा आघात

परिवारों, समुदायों और सामाजिक संस्थाओं को यह समझना होगा कि मृत्यु के बाद के कुछ दिन संवेदना के लिए होने चाहिए, सौदेबाजी के लिए नहीं। उत्तराधिकार एक यक्ष प्रश्न है लेकिन वे कुछ दिन प्रतीक्षा कर सकते हैं। किसी टूटे हुए मन को संभालने का अवसर यदि निकल जाए, तो वह वापस नहीं आता।

लोकेश त्रिपाठी

श्मशान घाट पर किसी अपने की चिता अभी पूरी तरह बुझी भी न थी कि कुछ तथाकथित अपने घर जाने की जल्दी में दिख रहे थे। घाट से लौटते समय परिवार के कुछ सदस्य गहरे शोक में डूबे थे, जबकि वही तथाकथित अपने संपत्ति, बैंक खातों और उत्तराधिकार की चर्चा में व्यस्त हो चुके थे। जिस व्यक्ति ने कुछ घंटे पहले अपने प्रियजन को मुखाग्नि दी थी, उसके लिए यह दूसरा आघात था। पहला मृत्यु का और दूसरा संवेदनहीनता का। मृत्यु जीवन का एक ऐसा सत्य है जिसके सामने मनुष्य स्वयं को सबसे अधिक असहाय अनुभव करता है। किसी प्रियजन के निधन के बाद शोकाकुल परिवार केवल एक व्यक्ति को नहीं खोता, बल्कि अपने जीवन के एक हिस्से, अनेक स्मृतियों और भावनात्मक सहारे को भी खो देता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार निकट संबंधी की मृत्यु व्यक्ति के जीवन की सबसे तनावपूर्ण और आघातकारी घटनाओं में से एक होती है। ऐसे समय में परिवार को सलाह, तर्क या अधिकारों की नहीं, बल्कि सहानुभूति, धैर्य और मानवीय उपस्थिति की आवश्यकता होती है।

आर्थिक अधिकारों से जुड़े प्रश्न परिवारों में रिश्तों पर हावी : भारतीय समाज की विशेषता यह रही है कि संकट की घड़ी में परिवार और समुदाय साथ खड़े होते रहे हैं। आज भी लाखों लोग शोकग्रस्त परिवारों की सहायता करते हैं। अंतिम संस्कार की व्यवस्थाएं संभालते हैं, आर्थिक और भावनात्मक सहयोग प्रदान करते हैं तथा बिना किसी अपेक्षा के उनके दुख में सहभागी बनते हैं। यही हमारी सामाजिक संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति है लेकिन इसके समानांतर एक दूसरा यथार्थ भी उभर रहा है। मृत्यु के तुरंत बाद उत्तराधिकार, संपत्ति और आर्थिक अधिकारों से जुड़े प्रश्न कई परिवारों में रिश्तों पर हावी होते दिखाई देते हैं। कभी-कभी सांत्वना के लिए आए लोगों की बातचीत बहुत जल्दी बैंक खातों, भूमि, मकान, वसीयत और हिस्सेदारी तक पहुंच जाती है। दुखद यह नहीं है कि ये प्रश्न मौजूद हैं। दुखद यह है कि कई बार ये प्रश्न शोक से भी अधिक महत्त्वपूर्ण बना दिए जाते हैं।

भावाात्मक रूप से तोड़ सकती अधिकारों की बहसः यह परिवर्तन अचानक नहीं आया है। पिछले कुछ दशकों में भारतीय समाज ने तीव्र आर्थिक और सामाजिक बदलाव देखे हैं। शहरीकरण बढ़ा है, संयुक्त परिवारों का स्थान छोटे परिवारों ने लिया है और भूमि तथा संपत्तियों का आर्थिक मूल्य कई गुना बढ़ा है। परिणामस्वरूप, पारिवारिक संबंधों के भीतर आर्थिक हितों का महत्त्व भी बढ़ा है। जहां कभी संपत्ति परिवार की सामूहिक विरासत मानी जाती थी, वहीं अब वह कई बार व्यक्तिगत अधिकार और आर्थिक अवसर के रूप में देखी जाने लगी है। निःसंदेह, यह भी सत्य है कि मृत्यु के बाद कुछ कानूनी और आर्थिक प्रक्रियाएं अनिवार्य होती हैं। बैंक खाते, बीमा दावे, ऋण, उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र और अन्य प्रशासनिक कार्य समय पर पूरे करने पड़ते हैं। इसलिए संपत्ति या अधिकारों की चर्चा अपने-आप में अनुचित नहीं है। समस्या इन विषयों के अस्तित्व में नहीं, बल्कि उनके समय, भाषा और संवेदनशीलता में है। जब किसी व्यक्ति का दुःख अभी ताजा हो,तब अधिकारों की बहस उसे भावनात्मक रूप से और अधिक तोड़ सकती है।

शोक की संस्कृति को पुनः मानवीय बनाएंः विडंबना यह है कि हम मृत व्यक्ति की आत्मा की शांति के लिए धार्मिक अनुष्ठानों का पूरा ध्यान रखते हैं लेकिन उसके पीछे छूटे परिवार की मानसिक शांति की उपेक्षा कर बैठते हैं। हम कर्मकांडों की सूक्ष्मताओं पर घंटों चर्चा कर सकते हैं लेकिन कई बार यह भूल जाते हैं कि शोकाकुल परिवार को सबसे अधिक आवश्यकता मौन सहारे की होती है। किसी दुःखी व्यक्ति के पास बैठ जाना, उसकी बात सुन लेना या केवल उसके साथ खड़े रहना भी कई बार किसी बड़े उपदेश से अधिक मूल्यवान होता है। दरअसल, श्मशान घाट केवल मृत्यु का स्थल नहीं है। वह समाज का दर्पण भी है। वहां मनुष्य का वास्तविक चरित्र सामने आता है। कोई व्यक्ति वहां सेवा और सहानुभूति का परिचय देता है, तो कोई अवसर और लाभ की संभावनाएं खोजने लगता है। यही कारण है कि श्मशान का अनुभव अक्सर लोगों की रिश्तों के प्रति समझ को बदल देता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम शोक की संस्कृति को पुनः मानवीय बनाएं। परिवारों, समुदायों और सामाजिक संस्थाओं को यह समझना होगा कि मृत्यु के बाद के कुछ दिन संवेदना के लिए होने चाहिए, सौदेबाजी के लिए नहीं। उत्तराधिकार एक यक्ष प्रश्न है लेकिन वे कुछ दिन प्रतीक्षा कर सकते हैं। किसी टूटे हुए मन को संभालने का अवसर यदि निकल जाए, तो वह वापस नहीं आता। किसी व्यक्ति की मृत्यु केवल उसके जीवन का अंत नहीं होती; वह पीछे छूटे लोगों के जीवन में एक कठिन अध्याय की शुरूआत भी होती है। ऐसे समय में हमारा व्यवहार ही यह तय करता है कि हम एक संवेदनशील समाज का हिस्सा हैं या केवल हितों से संचालित समूह का। आखिरकार, मृतक की अंतिम यात्रा श्मशान में समाप्त हो जाती है लेकिन जीवितों की नैतिक परीक्षा वहीं से शुरू होती है। चिता की अग्नि कुछ घंटों में बुझ जाती है लेकिन उस दिन दिखाई गई संवेदनशीलता या संवेदनहीनता परिवार की स्मृति में जीवनभर दर्ज रहती है।

कांग्रेस को आंखें दिखाने वाली ममता के आंस

गठबंधन की बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी साख बचाने के लिए दीदी अब कांग्रेस और सोनिया गांधी के दरबार में मदद की गुहार लगा रही हैं। देश की सबसे कद्दावर विपक्षी चेहरा रहीं ममता बनर्जी की हकीकत अब यही है कि ह्यइंडियाह्ण गठबंधन में किंगमेकर या प्रधानमंत्री पद की दावेदार वाली उनकी पुरानी मजबूत स्थिति अब नहीं रही। इसलिए वह इंडिया गठबंधन की शरण में हैं। कांग्रेस बेशक लोकसभा और ज्यादातर राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा को टक्कर नहीं दे सकी, किन्तु गठबंधन में कांग्रेस का दबदबा है, इसलिए ममता को लगता है कि सहानुभूति पाकर कांग्रेस से डूबते को तिनका का सहारा मिल सकता है। राजनीति में जमीर को एक तरफ करके सत्ता के लिए नेता किसी भी हद तक जा सकते हैं। दरअसल नेताओं में नैतिकता या सिद्धांत बचा नहीं है। ऐसा नहीं है कि सत्ता की राजनीति में आवरण बदलने का काम सिर्फ ममता ने ही किया हो, इससे पहले भाजपा, कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों ने दूसरे दलों से गठबंधन करके और मौका पाकर उनको छिटक कर यह काम किया है।

योगेंद्र योगी

राजनीति में नेता कब चोला बदल ले, पता नहीं चलता। कांग्रेस को आंखें दिखाने वाली पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जब सोनिया गांधी से मिली, उनकी आंखों में आंसू भर आए। यह वाक्या बताता है कि राजनीति में कुछ भी स्थिर नहीं है। दोस्त कब दुश्मन बन जाएं और दुश्मन कब दोस्त, इसका राजनीतिक इतिहास पुराना है। इंडिया गठबंधन की दिल्ली बैठक के दौरान सोनिया गांधी और ममता बनर्जी की भावुक मुलाकात ने कांग्रेस-टीएमसी के 30 साल पुराने उतार-चढ़ाव वाले संबंधों और बंगाल चुनाव के बाद आई दरारों को फिर से चर्चा में ला दिया। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी अपनी पार्टी में टूट के बीच जब बैठक में पहुंचीं, तो कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आगे बढकर उन्हें गले लगा लिया। बंद कमरे में अपनी पुरानी सहेली और राजनीतिक साथी को सामने देख ममता बनर्जी के आंसू छलक पड़े।

ममता के ये आंसू दरअसल कांग्रेस के साथ किए गए अपने खराब पुराने बर्ताव या कांग्रेस से अलग होने की गलती के एहसास की वजह से नहीं आए, बल्कि भाजपा द्वारा विधानसभा चुनाव जीत कर सारा दंभ हवा होने से गई सत्ता गंवाने और अपने सांसदों के टूटने की वजह से आए। दरअसल पश्चिम बंगाल से तृणमूल कांग्रेस के सत्ता से बाहर होने और पार्टी के सांसदों के विद्रोह से ममता के राजनीतिक अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है, जिसकी ममता बनर्जी ने कभी कल्पना भी नहीं की थी। ममता को सोनिया गांधी से मिली जादू की झप्पी सिर्फ व्यक्तिगत ढाढस नहीं थी। यह कांग्रेस और टीएमसी के बीच पिछले 3 दशकों से चले आ रहे उतार-चढ़ाव, पुरानी राजनीतिक दरारों और बंगाल में एक-दूसरे के वजूद को मिटाने की खूनी क्रोनोलॉजी का अंतिम और सबसे असहाय पड़ाव था। 1997-98 में ममता बनर्जी ने तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व (सोनिया गांधी के उभार के समय) पर वामपंथियों (वाममोर्चा) के खिलाफ ढुलमुल रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस से नाता तोड़ लिया था। ममता ने अलग तृणमूल कांग्रेस पार्टी का गठन किया था। अगले दो दशक में ममता बनर्जी ने वामपंथ के साथ-साथ कांग्रेस को भी बंगाल में शून्य कर दिया। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान ममता बनर्जी ने बंगाल में कांग्रेस को महज दो सीटों पर ही लोकसभा चुनाव लड़ने की पेशकश की थी, मगर कांग्रेस टीएमसी से 10-12 सीटों की डिमांड कर रही थी। ममता बनर्जी ने कांग्रेस की 10-12 लोकसभा सीटों की मांग को अनुचित बताया था और पश्चिम बंगाल में सीट बंटवारे पर चर्चा में देरी के लिए कांग्रेस की आलोचना की थी। ममता ने एकला चलो की नीति अपनाते हुए बहरमपुर में यूसुफ पठान को उतारकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी को हरा दिया। इससे दिल्ली का कांग्रेस नेतृत्व अंदर से बेहद आहत था। कांग्रेस पार्टी के पारंपरिक गढ़ों (मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तर दिनाजपुर) को भी पूरी तरह से ममता बनर्जी ने निगल लिया। अधीर रंजन चौधरी जैसे कद्दावर नेताओं को साइडलाइन कर उन्होंने कांग्रेस के वोट बैंक पर अपना एकछत्र राज स्थापित कर लिया था। ममता की राजनीतिक महत्वाकांक्षा इतनी प्रबल हो गई कि पश्चिम बंगाल तक सीमित होने के बावजूद कांग्रेस का नेतृत्व किसी रूप में स्वीकार करने से इंकार कर दिया। इससे भी आगे बढ़ कर इंडिया गठबंधन के नेतृत्व का दावा तक पेश कर दिया था। इस नेतृत्व का मतलब था गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद की दावेदारी। ममता बनर्जी ने चुनावों और उपचुनावों में इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन पर निराशा जाहिर करते हुए कहा था कि वह इसकी कमान संभालने को तैयार हैं। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने तब कहा था कि ह्यममता बनर्जी को ऐसा लगता है पर हमें ऐसा नहीं लगता। चर्चा करेंगे। उनके कहने से उनकी पार्टी चलती है। हम तो कांग्रेस के कहने से चलते हैं। केरल में वाम शासन को कांग्रेस के हाथ गंवा चुकी लेफ्ट ने भी कांग्रेस पर सवाल उठाए थे। तब लेफ्ट नेता डी राज्या ने भी कहा था कि कांग्रेस को आत्मचिंतन करने की जरूरत है। राज्या ने कहा था कि कांग्रेस ने हरियाणा और महाराष्ट्र चुनावों में गठबंधन सहयोगियों को समायोजित नहीं किया। अगर कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक सहयोगियों की बात सुनी होती तो लोकसभा और हरियाणा-महाराष्ट्र में नतीजे अलग होते। बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में जब भारतीय जनता पार्टी ने 207 सीटें जीतकर ममता बनर्जी को सत्ता से बेदखल कर दिया, तो अचानक से पूरी बाजी पलट गई। सत्ता हाथ से जाते ही टीएमसी के भीतर सांसदों और विधायकों में भगदड़ मच गई।

प्रकृति के साथ आत्मीयता

श्रीश्री रवि शंकर

चिंतन-मनन

पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और संरक्षण की भावना लोगों के मन में केवल शिक्षा के माध्यम से ही विकसित की जा सकती है। ऐसी शिक्षा जो केवल जानकारी देने तक सीमित न होकर जीवन के व्यापक दृष्टिकोण को भी जाग्रत करे। प्रकृति के प्रति श्रद्धा और सम्मान को पुनः स्थापित करे। पर्यावरण से हमारा संबंध मानवीय अनुभव का प्रथम स्तर है। जब हमारा परिवेश स्वच्छ, संतुलित और सकारात्मक होता है, तब उसका अनुकूल प्रभाव हमारे अस्तित्व के अन्य सभी आयामों पर भी पड़ता है। इतिहास साक्षी है कि मानव मन और प्रकृति के बीच एक गहरा और आत्मीय संबंध बनाने का प्रयत्न सदा रहा है। जब हम प्रकृति और अपने स्वयं के अस्तित्व से दूर होने लगते हैं, तभी प्रदूषण और पर्यावरण विनाश की प्रवृत्तियां जन्म लेती हैं।

भारतीय परंपरा में प्रकृति को सदैव पूजनीय माना गया है। पर्वत, नदियां, वृक्ष, सूर्य, चंद्रमा और पंचमहाभूत, सभी श्रद्धा के पात्र रहे हैं। वस्तुतः विश्व की अनेक प्राचीन सभ्यताओं में भी प्रकृति के प्रति यही गहन आदरभाव विद्यमान था। आज आवश्यकता इस बात की है कि मानव मन को तनाव और लोभ से मुक्त कर पुनः उसी श्रद्धा और संवेदनशीलता से जोड़ा जाए। हमारे अनुसंधान केंद्र में किए गए एक अध्ययन में यह पाया गया कि सान और साधना की प्रक्रियाएं पर्यावरणीय कार्यों में सामुदायिक सहभागिता तथा व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करती हैं। इसे सामूहिक प्रभाव कहा जाता है अर्थात वह सकारात्मक परिवर्तन जो समाज के लोगों के पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण और आचरण में दिखाई देता है। पंचमहाभूत एक-दूसरे से अत्यंत गहराई से जुड़े हुए हैं। इनमें से किसी एक तत्व का प्रदूषण शेष चारों को भी प्रभावित करता है। इन्हें अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। यदि आप प्लास्टिक जलाते हैं, तो वह केवल पृथ्वी को ही नहीं, वायु को भी प्रदूषित करता है। यदि उसे जल में फेंक दिया जाए, तो वह जल को भी उतना ही दूषित कर देता है। वृक्षों को धरती के फेफड़े कहा जाता है और यह उपमा पूर्णतः उचित है। इसलिए हमें अधिकाधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। हमारे प्राचीन शास्त्रों में कहा गया है कि जो व्यक्ति एक वृक्ष काटे, उसे पांच नए वृक्ष लगाने चाहिए।

आपके पत्र

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पांच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

भारत की पड़ोसी प्रथम नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है।

एमके राय, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

विद्यालयों में बच्चों के आधार नामांकन के लिए विशेष अभियान जारी

साहिबगंज : सरकार के सचिव स्कूली शिक्षा साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार, रांची एवं उपायुक्त साहिबगंज के निदेर्शानुसार जिले के विभिन्न विद्यालयों में 15 जून से 29 जून, 2026 तक 5 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए विशेष आधार नामांकन और बायोमेट्रिक अद्यतन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का नया आधार नामांकन औरआवश्यकता नुसार बायोमेट्रिक अद्यतन कार्य किया जा रहा है।इसी क्रम में निदेशक, डीआरडीबी सह नोडल पदाधिकारी यूआईडी श्री गौतम कुमार भगत व जिला परियोजना पदाधिकारी यूआईडी संदीप कुमार द्वारा संयुक्त रूप से जिले के विभिन्न विद्यालयों में संचालित आधार शिविरों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नामांकन अद्यतन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की संबंधित कर्मियों को निर्धारित मानकों समयसीमा के अनुरूप कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने शिविरों में उपलब्ध व्यवस्थाओं आधार ऑपरेटरों की कार्य प्रणाली और विद्यार्थियों की सुविधा के लिए किए गए प्रबंधों का जायजा लिया। साथ ही यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि कोई भी पात्र छात्र आधार नामांकन अथवा बायोमेट्रिक अद्यतन से वंचित न रहे।उन्होंने अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंधन से अपील की कि वे अपने बच्चों के आधार संबंधी कार्यों को समय पर पूर्ण कराएं, ताकि भविष्य में शैक्षणिक गतिविधियों, छात्रवृत्ति, सरकारी योजनाओं अन्य आवश्यक सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।जिला प्रशासन द्वारा यह अभियान जिला के विभिन्न विद्यालयों में सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। संबंधित अधिकारियों को नियमित निगरानी एवं समन्वय के निर्देश दिए गए हैं।

नशीले पदार्थों का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है : उपायुक्त

साहिबगंज : निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से राज्य सरकार के निदेर्शानुसार दिनांक 15 जून, 2026 से 26 जून, 2026 तक राज्यव्यापी जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है।इसी क्रम में आज समाहरणालय परिसर साहिबगंज में उपायुक्त श्री दीपक कुमार दुबे द्वारा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराएगा व समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश प्रसारित करेगा। जबकि उपायुक्त श्री दुबे ने कहा कि नशीले पदार्थों का सेवन न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार एवं समाज की प्रगति में भी बाधक बनता है। उन्होंने सभी नागरिकों से नशे के विरुद्ध जनआंदोलन को सफल बनाने और युवाओं को इसके दुष्प्रभावों से बचाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान दीपक आर्ट की टीम द्वारा नशा मुक्ति विषय पर एक प्रभावशाली एवं संदेशपरक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने जीवंत अभिनय के माध्यम से नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों तथा नशामुक्त जीवन के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उपस्थित लोगों ने नुक्कड़ नाटक की सराहना करते हुए इसके संदेश को जन-जन तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया।इस अवसर पर अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री संजय कुमार दास सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है। कि वे नशे के विरुद्ध इस जन-जागरूकता अभियान में सहभागी बनें तथा स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

टीबी मुक्त भारत अभियान हरिण कोल गांव में 64 लोगों की हुई स्क्रीनिंग

साहिबगंज : देश को टीबी मुक्त बनाने के संकल्प के साथ चलाए जा रहे एक सौ दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान' के तहत तालझारी प्रखंड के हरिणकोल गाँव में एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों के बीच टीबी यक्ष्मा रोग की जल्द पहचान करना और उन्हें समय पर सही इलाज उपलब्ध कराना है।शिविर के दौरान कुल 64 ग्रामीणों की प्राथमिक स्क्रीनिंग की गई।इनमें से संदिग्ध लक्षणों वाले 41 लोगों का ऑन-स्पॉट डिजिटल हैंड-हेल्ड एक्स-रे किया गया,ताकि बीमारी का सटीक और त्वरित पता लगाया जा सके।इस विशेष अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग की तकनीकी टीम और पीएम जनमन योजना के प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।मौके पर कुणाल हंसदा (वरीय यक्ष्मा पर्यवेक्षक),हर्ष कुमार डाटा मैनेजर प्रियंका कुमारी एवं दिव्या कुमारी (पीएम जनमन प्रतिनिधि मरियम सोरेन सहिया साथी नाओमी नीलिमा हंसदा,सुनीता हेम्ब्रम,मीरा देवी,सजनी देवी बिटी मुर्मू एवं रानी मुर्मू स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता सहिया सहित अधिकारियों और कर्मियों में शामिल थे।जागरूकता शिविर के दौरान ग्राम प्रधान सुशील टुडू ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि दो हफ्ते से अधिक की खांसी, वजन का घटना और शाम को बुखार आना टीबी के लक्षण हो सकते हैं।इसे छुपाएं नहीं बल्कि तुरंत जांच कराएं।सरकार द्वारा टीबी की जांच और दवाइयाँ पूरी तरह से मुफ्त उपलब्ध कराई जाती हैं।इसके साथ ही मरीजों को पोषण के लिए आर्थिक सहायता भी दी जाती है।इस अभियान के माध्यम से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास निरंतर जारी है।

किसान मशरूम उत्पादन के जरिए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं

साहिबगंज : कृषि विभाग आत्मा के सौजन्य से बोरियो प्रखंड अंतर्गत तेलो पंचायत का तेलो गांव मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है।गांव के 6 से 7 परिवार मिल्की व्हाइट मशरूम और लगभग 30 परिवार ऑयस्टर दिंगरी मशरूम का उत्पादन कर रहे हैं।इसके अलावा मौसम के अनुसार बैदी बटन मशरूम की भी खेती की जा रही है।कम लागत, कम जगह और कम समय में अधिक मुनाफा मिलने से मशरूम उत्पादन ग्रामीणों के लिए स्वरोजगार और आय का सशक्त माध्यम बन गया है।गांव के प्रगतिशील किसान खूबलाल पंडित,चंद्रदेव पंडित,राम बाबू पंडित, मीणा देवी,गीता देवी,कमेली मुर्मू,प्रधान मुर्मू,राजकुमार पंडित एवं मालो हेम्ब्रम सहित कई किसान मशरूम उत्पादन के जरिए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं।वही किसान खूबलाल पंडित ने रामकृष्ण मिशन रांची एवं साहिबगंज आरसेटी से प्रशिक्षण प्राप्त कर क्षेत्र के कई किसानों को मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार से जोड़ने का कार्य कर रहे है।उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें जिला स्तर पर 'बिरसा किसान' सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है।तेलो गांव के किसान सालभर विभिन्न प्रजातियों के मशरूम का उत्पादन कर रहे हैं। ऑयस्टर दिंगरी मशरूम का उत्पादन अगस्त से अप्रैल मिल्की व्हाइट मशरूम का उत्पादन अप्रैल से अगस्त और बैदी मशरूम का उत्पादन जून-जुलाई में किया जाता है इससे किसानों को पूरे वर्ष नियमित आय का स्रोत उपलब्ध हो रहा है।मशरूम उत्पादन से गांव में आर्थिक और सामाजिक बदलाव देखने को मिल रहा है।कई परिवारों की आय में वृद्धि हुई है।महिलाओं को घर के नजदीक रोजगार मिल रहा है पहले जहां ग्रामीण केवल पारंपरिक खेती पर निर्भर थे,व।वहीं अब मशरूम उत्पादन उनके लिए खुशहाली का नया रास्ता बन गया है।

खेल पुलिसकर्मियों को शारीरिक मानसिक और बौद्धिक रूप से मजबूत बनाता है : डीआईजी

साहिबगंज जिले के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है : एसपी

संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस लाइन मैदान में सोमवार को तीन दिवसीय संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन संताल परगना प्रक्षेत्र के डीआईजी अंबर लकड़ा ने किया। इस अवसर पर साहिबगंज के उपायुक्त दीपक कुमार दूबे, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह, गोड्डा के पुलिस अधीक्षक, पाकुड़ के पुलिस अधीक्षक सहित संताल परगना प्रमंडल के छह जिलों के पुलिस अधिकारी, जवान एवं खिलाड़ी उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरूआत शहीद स्मारक पर डीआईजी, उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई। इसके बाद प्रतियोगिता ध्वज फहराया गया।खेलकूद प्रतियोगिता की औपचारिक घोषणा की गई और आकर्षक आतिशबाजी के बीच पूरे परिसर में उत्साह का माहौल बन गया। डीआईजी अंबर लकड़ा ने कबूतर उड़ाकर बैट से गेंद खेलकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।स्वागत भाषण देते हुए पुलिस अधीक्षक सह प्रतियोगिता सचिव अमित कुमार सिंह ने कहा कि साहिबगंज जिले के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि संताल परगना क्षेत्रीय पुलिस खेलकूद प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अवसर मिला है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि खेल पुलिसकर्मियों को शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से मजबूत बनाते हैं। इस बार प्रतियोगिता में पहली बार क्रिकेट को शामिल किया गया है तथा पहली बार डे-नाइट क्रिकेट मैच का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से खेल भावना एवं अनुशासन का परिचय देते हुए प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की।मुख्य अतिथि डीआईजी अंबर लकड़ा ने कहा कि पुलिस विभाग में खेलकूद का विशेष महत्व है। खेल केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, सकारात्मक सोच और मानसिक मजबूती भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी 24 घंटे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करते हैं। ऐसे में खेल तनाव कम करने और बेहतर कार्यक्षमता बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में एआई और तकनीक का दौर है, लेकिन फील्ड गेम्स का महत्व कभी कम नहीं हो सकता। सभी पुलिस लाइन और थानों में खेल गतिविधियों को नियमित रूप से बढ़ावा दिया जाना चाहिए।प्रतियोगिता में देवघर, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा एवं मेजबान साहिबगंज जिले के सैकड़ों पुलिस अधिकारी एवं जवान भाग ले रहे हैं। तीन दिनों तक चलने वाली प्रतियोगिता में कुल 17 खेल स्पधाओं का आयोजन किया जा रहा है। इनमें फुटबॉल, वॉलीबॉल, हैंडबॉल, कबड्डी, खो-खो, हॉकी, क्रिकेट, तीरंदाजी, साइक्लिंग, एथलेटिक्स, भारोत्तोलन कुश्ती, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, योग एवं बास्केटबॉल शामिल हैं। प्रतियोगिताएं सुबह से लेकर देर रात तक चलेंगी तथा कई मुकाबले डे-नाइट प्रारूप में आयोजित किए जाएंगे।मेजबान साहिबगंज पुलिस द्वारा प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई थीं। पुलिस लाइन मैदान एवं मोदी मैदान को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। खिलाड़ियों, अधिकारियों एवं दर्शकों के बैठने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।इस अवसर पर विभिन्न जिलों की टीमों का परिचय भी कराया गया। देवघर टीम के मैनेजर डीएसपी मुख्यालय चंद्रशेखर, दुमका टीम के मैनेजर एसडीपीओ सदर दिलीप खलखो, गोड्डा टीम के मैनेजर रंजन प्रसाद, पाकुड़ टीम के मैनेजर डीएसपी मुख्यालय उज्ज्वल कुमार साह, जामताड़ा टीम के मैनेजर एसडीपीओ किशोर तिर्की तथा साहिबगंज टीम के मैनेजर एसडीपीओ राजमहल विमलेश त्रिपाठी ने अपनी-अपनी टीमों का नेतृत्व किया।कार्यक्रम के अंत में एसडीपीओ बरहरवा नितिन खंडेलवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, जवान, खिलाड़ी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

पीड़ित वृद्धजन निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं : अखिल

संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर वृद्धजनों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके प्रति सम्मानजनक व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन स्नेह स्पर्श वृद्धा आश्रम, साहीबगंज में किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित वृद्धजनों एवं अन्य लोगों को संबोधित करते हुए बताया गया कि वृद्धजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके सम्मान सुरक्षा एवं गरिमापूर्ण जीवन की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक सामाजिक दायित्व है। प्रत्येक वर्ष 15 जून को मनाया जाने वाला विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस वृद्धजनों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार, उपेक्षा व शोषण के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।जिला विधिक

सेवा प्राधिकार, साहिबगंज के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान लीगल एड डिफेंस काउंसिल पारा लीगल वॉलिंटियर्स -न्याय मित्रों द्वारा वृद्धजनों को उनके संवैधानिक विधिक अधिकारों वरिष्ठ नागरिकों के संरक्षण से संबंधित कानूनों निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में परिवार समाज में वृद्धजनों के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान व सहयोग की भावना विकसित करने पर विशेष बल दिया गया। उपस्थित लोगों को बताया गया । कि वृद्धजनों के साथ किसी भी प्रकार का शारीरिक मानसिक आर्थिक अथवा भावनात्मक शोषण मानवाधिकारों का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में पीड़ित वृद्धजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। वक्ताओं ने कहा कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों के प्रति होने वाले दुर्व्यवहार उपेक्षा को रोकने के लिए समाज में जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें सुरक्षित सम्मानजनक एवं गरिमामय जीवन उपलब्ध कराना है।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने वृद्धजनों के सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए उन्हें गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करने का संकल्प लिया।

पंचायतों में विशेष प्रमाण-पत्र शिविर प्रारंभ, पहले दिन 1,016 आवेदन प्राप्त

15 से 17 जून तक पंचायत स्तर पर मिल रही सुविधा विद्यार्थियों व अभ्यर्थियों को होगा सीधा लाभ

संवाददाता

साहिबगंज : आगामी शैक्षिक सत्र विभिन्न नियुक्तियों, छात्रवृत्तियों एवं अन्य सरकारी योजनाओं के लिए आवश्यक जाति आय व स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र समय पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, साहिबगंज द्वारा 15 जून 2026 से जिले की सभी पंचायतों में तीन दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया।यह विशेष शिविर 15 जून से 17 जून 2026 तक पंचायत सचिवालय स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, जहां आवेदकों से जाति,आय व स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन प्राप्त कर ऑनलाइन प्रविष्टि की जा रही है। शिविर में प्रतिनियुक्त कर्मियों एवं वीएलई सीएससी संचालकों द्वारा आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर झारसेवा पोर्टल पर आवेदन

दर्ज कर आवेदकों को तत्काल प्राप्ति रसीद उपलब्ध कराई जा रही है।शिविर के प्रथम दिन जिलेभर से नागरिकों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली। प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार विभिन्न प्रखंडों में कुल 1,016 आवेदन प्राप्त हुए हैं।जिनमें जाति प्रमाण-पत्र हेतु 414, स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र हेतु 493 आय प्रमाण-पत्र हेतु 109 आवेदन शामिल हैं। इनमें से अद्यतन 647 आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि भी की जा चुकी है, जिसमें 267 जाति, 324 स्थानीय निवासी तथा 56 आय प्रमाण-पत्र से संबंधित आवेदन शामिल हैं।जिला प्रशासन द्वारा यह विशेष पहल आम नागरिकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अभ्यर्थियों को उनके पंचायत स्तर पर ही सुविधाजनक एवं त्वरित सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। शिविरों के माध्यम से लोगों को प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए प्रखंड या जिला मुख्यालय नहीं आना पड़ेगा जिससे समय एवं संसाधनों की बचत होगी।उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि जिन नागरिकों को जाति आय और स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र की आवश्यकता है।वे अपने निकटतम पंचायतसचिवालय पहुंचकर इस विशेष सुविधा का अधिकतम लाभ उठाएं अगले दो दिनों में आवेदन समर्पित करें।

पेसो जार की अनिवार्यता से किसान हलकान

हजारीबाग : रबी और खरीफ फसलों के बीच कृषि कार्यों की व्यस्तता के बीच हजारीबाग के किसानों पर दोहरी मार पड़ रही है। केंद्र सरकार के नए निदेर्शों के बाद तेल कंपनियों ने पेट्रोल पंप संचालकों को खुले गैलन, प्लास्टिक की बोतल या ड्रम में डीजल देने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। अब डीजल लेने के लिए पेसो मतलब पेट्रोलियम और एक्सप्लोसिव सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन द्वारा प्रमाणित जार (कंटेनर) लाना अनिवार्य कर दिया गया है।इस सख्ती के बाद किसानों की परेशानी बढ़ गई है। स्थिति यह है कि किसान डीजल लेने पेट्रोल पंप तो पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। डीजल पंप संचालकों का कहना है कि सुरक्षा मानकों और सरकारी दिशा-निदेर्शों के कारण वे बिना पेसो अप्रूव्ड जार के डीजल देने में असमर्थ हैं। इधर, स्थानीय बाजार में ऐसे प्रमाणित जार उपलब्ध ही नहीं हैं, जिससे किसानों का काम पूरी तरह ठप हो गया है। किसानों का कहना है कि डीजल के बिना ट्रैक्टर और सिंचाई पंप चलना नामुमकिन है। एक किसान ने बताया, खेत जोतने का समय निकला जा रहा है, लेकिन डीजल के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। हमें यह भी नहीं पता कि पेसो अप्रूव्ड जार कहाँ मिलता है। किसानों ने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। विशेषज्ञों और पंप एसोसिएशन का मानना है कि इस समस्या के समाधान के लिए दो कदम उठाने आवश्यक हैं: सरकार को नियमों को लागू करने से पहले किसानों को पर्याप्त समय देना चाहिए था और इन जारों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए थी।

खरीफ फसल की तैयारी को लेकर किसान गोष्ठी आयोजित

इचाक : कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के तहत प्रखंड के बरियठ और भुसाई में संतुलित उर्वरक, दलहन खेती, मोटे अनाज की खेती को लेकर किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मोटे अनाज मक्का, बाजरा,रागी की खेती पर जोर दिया गया। साथ ही संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी परीक्षण के आधार पर फसल की आवश्यतानुसार करने की जानकारी दी गई। गोष्ठी में बीटीएम पुष्पा कुमारी , कृषक मित्र संघ के प्रखंड अध्यक्ष दिगम्बर कुमार मेहता कृषक मित्र रीना देवी किसान राजेश मेहता अजय मेहता सोमा देवी रेखा देवी मंजू देवी मंजू उर्मिला देवी गीता देवी सरस्वती देवी बिजूलिया देवी उमा देवी तारा देवी प्रीति देवी मुन्नी देवी मंजू देवी सोनिया देवी सुनीता देवी शामिल थे।

पर्यावरण संरक्षण में प्राकृतिक खेती की भूमिका पर की चर्चा

संवाददाता

साहिबगंज : भारत सरकार की नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र साहिबगंज में एकेएस,सीआरपी दीदियों के लिए आयोजित पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 जून, 2026 से 15 जून, 2026 तक आयोजित किया गया।जिसका उद्देश्य प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों, तकनीकों व व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी प्रदान कर ग्रामीण स्तर पर इसके व्यापक प्रसार को सुनिश्चित करना था।प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती की अवधारणा, जीवामृत व घनजीवामृत निर्माण बीजामृत उपचार, प्राकृतिक कीट और रोग प्रबंधन मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, पोषण वाटिका विकास कम लागत में टिकाऊ कृषि उत्पादन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही किसानों की आय वृद्धि और पर्यावरण संरक्षण में प्राकृतिक खेती की भूमिका पर भी चर्चा की गई। जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र, साहिबगंज की प्रधान कृषि वैज्ञानिक डॉ. सुप्रिया सिंह, वरिय कृषि वैज्ञानिक डॉ. संजीव कुमार, जिला उद्यान पदाधिकारी श्री

अमितेश रंजन एवं प्रशिक्षक सह कृषि समन्वयक श्री निकेश कुमार उपस्थित रहे। सभी विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के विभिन्न आयामों की जानकारी देते हुए इसे ग्राम स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल खेती की लागत को कम करती है। बल्कि मृदा की उर्वरता, पर्यावरण संरक्षण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। प्रशिक्षण प्राप्त एकेएस ,सीआरपी दीदियाँ अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों को जागरूक कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।प्रशिक्षण के सफल आयोजन पर प्रतिभागियों ने कृषि विज्ञान केंद्र, साहिबगंज के प्रति आभार व्यक्त किया तथा प्राकृतिक खेती को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

आलिया भट्ट की ऐल्फा बनी चर्चा का केंद्र, महिला स्पाई थ्रिलर पर टिकी नजरें

यश राज फिल्म्स की आने वाली फिल्म ऐल्फा रिलीज से पहले ही लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। आलिया भट्ट और शर्वरी स्टारर यह फिल्म सोशल मीडिया से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक चर्चा का केंद्र बन गई है। इसे आरएफ स्पाई यूनिवर्स का अब तक का सबसे साहसी और अलग प्रयोग माना जा रहा है।

पहली महिला-केंद्रित स्पाई थ्रिलर : ऐल्फा को आरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-प्रधान स्पाई एक्शन थ्रिलर बताया जा रहा है। टीजर रिलीज के बाद दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता और बहस दोनों बढ़ गई हैं। जहां कुछ लोग इसे बॉलीवुड

के लिए सकारात्मक बदलाव मान रहे हैं, वहीं कुछ इसके बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

आलिया भट्ट और शर्वरी का दमदार अवतार: फिल्म में आलिया भट्ट एक खतरनाक असैसिन के किरदार में नजर आने वाली हैं, जो उनके करियर के लिए एक नया और चुनौतीपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। वहीं शर्वरी भी इस हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। टीजर में दोनों का एक्शन अवतार दर्शकों को काफी प्रभावित कर चुका है।

आरएफ स्पाई यूनिवर्स का नया अध्याय: अब तक इस स्पाई यूनिवर्स में टाइगर, पठान और कबीर जैसे पुरुष किरदारों का दबदबा रहा है। ऐल्फा इस फ्रेंचाइजी को नए नजरिए और महिला केंद्रित कहानी के साथ आगे बढ़ाने की कोशिश है। यह फिल्म इस यूनिवर्स के विस्तार का एक महत्वपूर्ण अध्याय मानी जा रही है।

3 जुलाई को होगा असली फैसला: फिल्म के प्रति बनी जबरदस्त चर्चा के बीच अब सभी की निगाहें इसकी रिलीज पर टिकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ऐल्फा सफल होती है, तो यह बॉलीवुड में महिला-प्रधान एक्शन फिल्मों के लिए नए रास्ते खोल सकती है। फिल्म 3 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लग्जरी लाइफ जीती हैं उर्मिला मातोंडकर नेटवर्थ कम से कम 68.28 करोड़

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं और उन्हें प्यार से रंगीला गर्ल कहा जाता है। अपनी शानदार एक्टिंग के साथ-साथ उर्मिला अपनी आलीशान और लग्जरी लाइफस्टाइल को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। आइए जानते हैं कि एक्ट्रेस के पास कितनी संपत्ति है और उनकी कमाई का प्रमुख स्त्रोत्र क्या हैं ?

कितनी है उर्मिला मातोंडकर की नेटवर्थ ? : रिपोर्ट्स के अनुसार, बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस उर्मिला की नेटवर्थ कम से कम 68.28 करोड़ है। साल 2019 में चुनवी हलफनामे के दौरान उमरीला ने अपनी सम्पति से जुड़ी कई जानकारियां साझा की थीं। उन्होंने बताया था कि उनके पास 1.27 करोड़ रुपये की हीरे की ज्वेलरी है। इसके अलावा उमरीला के पास 1.48 रुपए मूल्य के सोने के सिक्के और करीब 17.65 लाख रुपये की गोल्ड जूलरी भी मौजूद है।

इन जगहों पर उर्मिला ने किया हुआ है इन्वेस्ट : आपको बता दें कि उर्मिला के पास बहुत सी प्रॉपर्टी भी है। उनके काम 3 फ्लैट हैं। एक फ्लैट 9 करोड़, दूसरा 8 और तीसरा कम से कम 2 करोड़ का है। इतना ही नहीं उर्मिला के पास एक जमीन भी है, जिसकी कीमत कुल 60 लाख रुपए है।

उर्मिला मातोंडकर के पास पीएफ खाते में करीब 62 लाख रुपये जमा हैं, जबकि उनके बैंक खातों में 51 लाख रुपये से अधिक की राशि मौजूद है। निवेश की बात करें तो उन्होंने लगभग 34 करोड़ रुपये के शेयर, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड्स में निवेश किया हुआ है। उनकी लग्जरी लाइफस्टाइल का अंदाजा उनकी महंगी कारों से भी लगाया जा सकता है, जिनमें एक शानदार मर्सिडीज कार भी शामिल है। खास बात यह है कि उर्मिला पर किसी तरह का कोई बैंक लोन नहीं है।

2016 में हुई थी उर्मिला की शादी : 2016 में उर्मिला ने मोहसिन अख्तर संग शादी की थी और यह ज्यादा दिन नहीं चली। 2024 में दोनों ने अलग होने का फैसला लिया और तलाक ले लिया। फिलहाल उर्मिला इस समय सिंगल हैं लेकिन उनके एक्स पति मोहसिन ने हाल ही में दूसरी शादी कर ली है और सोशल मीडिया पर निकाह की तस्वीरें भी शेयर की हैं। एक्टिंग के अलावा उर्मिला का योगदान पॉलिटिकल पार्टी में भी है और 2019 मे उन्होंने कांग्रेस पार्टी की तरफ से चुनाव लड़ा था लेकिन 2020 में उन्होंने इस पार्टी को छोड़कर शिवसेना का दामन थाम लिया था।

55 की उम्र में भी बरकरार है मनीषा कोइराला का जलवा, समुद्र किनारे बिखेरा चार्म

90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला आज भी अपनी खूबसूरती और बेबाक अंदाज से लोगों का दिल जीत रही हैं। अभिनय और स्टाइल के दम पर इंडस्ट्री में खास पहचान बनाने वाली मनीषा ने हाल ही में एक ऐसा पोस्ट शेयर किया, जो लोगों को जिंदगी को खुलकर जीने का सन्देश देता है।

55 साल की उम्र में भी मनीषा अपनी फिटनेस और आत्मविश्वास से सभी को प्रेरित कर रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर समुद्र किनारे बिताए कुछ खास पलों की तस्वीरें सांझा की हैं।

इन तस्वीरों में मनीषा हैट और स्टाइलिश वेस्टर्न ऑउटफिट में नजर आ रही हैं। समुद्र का खूबसूरत नजारा और उनका बिंदास अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

महिलाओं के लिए खास सलाह यात्रा जरूर करें: तस्वीरों के साथ मनीषा ने बहुत ही दिल छूने वाला कैप्शन लिखा है- आपका साइज या उम्र चाहे जो भी हो, और आप ज़िंदगी के किसी भी पड़ाव पर हों–यात्रा जरूर करें, बीच पर टहलें, स्विमसूट पहनें, फोटो खिंचवाएं। अपनी त्वचा पर धूप और पैरों के नीचे रेत को महसूस करें। डर या दूसरों की राय को अपने ऊपर हावी न होने दें। आप जैसे हैं, वैसे ही ज़िंदगी को पूरी तरह जीने के हकदार हैं।

मनीषा का यह पोस्ट सिर्फ तस्वीरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, आत्म-स्वीकृति और जिंदगी को पूरे दिल से अपनाने का एक खूबसूरत संदेश भी देता है।

कमाई के मामले में दहाड़ रही पेडी, 11 दिन में 393 करोड़ पार

राम चरण स्टारर पेडी, जिसमें जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं, दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर लगातार तहलका मचा रही है। यह फिल्म न केवल इस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, बल्कि यह 2026 की साउथ इंडिया की नंबर 1 ग्रॉसर (सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म) भी बन गई है। दर्शकों की शानदार तारीफ, ब्लॉकबस्टर वर्ड-ऑफ-माउथ और खचाखच भरे सिनेमाघरों के दम पर पेडी, अपनी रिलीज के बाद से ही लगातार असाधारण आंकड़े दर्ज कर रही है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी ब्लॉकबस्टर रफ्तार को और मजबूत करते हुए एक और जबरदस्त वीकेंड देखा है। महज 11 दिनों में पेडी,ने दुनिया भर में 393 करोड़ से ज्यादा का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है, जो दर्शकों से मिल रहे असीम प्यार को साफ दिखाता है। अपने सनसनीखेज दूसरे हफ्ते के परफॉर्मेंस के साथ, यह फिल्म थिएटर्स में लगातार अपना दबदबा बनाए हुए है और इसके धीमे होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। इस खबर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, पेडी ने 11 दिनों में दुनिया भर में 393 करोड़ से ज्यादा का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। अपने दूसरे हफ्ते में भी

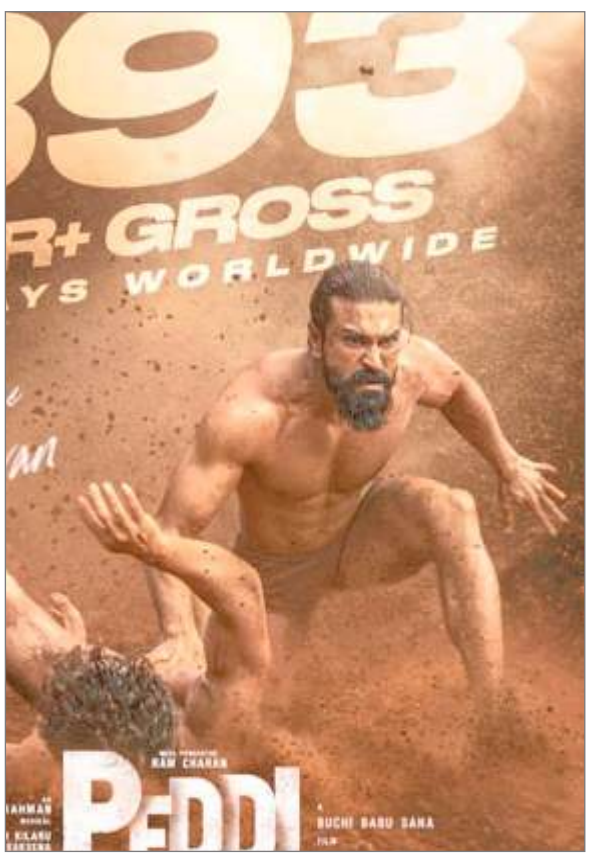

दुनिया भर में सफलतापूर्वक चल रही है ।

बुची बाबू सना द्वारा लिखित और डायरेक्टेड पेडी में राम चरण लीड रोल में हैं, जिनके साथ शिव राजकुमार, जाह्नवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह दमदार स्टार कास्ट फिल्म के स्केल और इसके इम्पैक्ट को एक अलग ही लेवल पर ले जाती है। वेंकट सतीश किलारु द्वारा वृद्धि सिनेमाज के तहत, मैत्री मूवी मेकर्स, सुकुमार राइटिंग्स और आईभीवाई एंटरटेनमेंट के सहयोग से प्रड्यूस की गई इस फिल्म के को-प्रड्यूसर ईशान सक्सेना हैं।

क्यों इतनी सुन्दर है रश्मिका मंदाना ? एक्ट्रेस ने खुद फैंस को बताया अपनी खूबसूरती का राज

इन दिनों रश्मिका मंदाना अपनी आने वाली फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर फैंस के साथ बातचीत की और उनके कई सवालों के जवाब दिए।

क्या है रश्मिका मंदाना इतनी सुन्दर ? : सोशल मीडिया पर लाइव सेशन के दौरान जब एक फैन ने उनसे उनकी सुंदरता का राज पूछा तो इस पर रश्मिका ने किसी ब्यूटी प्रोडक्ट या स्किनकेयर रूटीन का जिक्र करने के बजाय एक बेहद भावुक और प्रेरणादायक जवाब दिया। ये सुनने के बाद फैंस उनकी तारीफ के कसीदे पढ़ रहे हैं।

रश्मिका ने फैंस को बताया सुन्दर होने का राज : रश्मिका ने बड़े ही प्यार से लड़कियों को सलाह दी की, हमेशा उन लोगों के साथ रहो जो आपके अंदर के बच्चे को हमेशा जगा कर रखें। जब इंसान अपने भीतर की मासूमियत और खुशियों को संभालकर रखता है, तो उसकी जिंदगी में सकारात्मकता बनी रहती है। इसका साफ-साफ इशारा था कि आप जितना पॉजिटिव रहेंगे, आपकी स्किन उतनी ही ग्लो करेगी।

कौन-सा काम सबसे ज्यादा मन को देता है खुशी ?:इसी लाइव सेशन के दौरान एक यूजर ने रश्मिका मंदाना से उनकी शादी और निजी जीवन को लेकर सवाल किया। इस पर उन्होंने बताया कि उन्हें ऐसा महसूस होता है जैसे उनका कोई सपना सच हो गया हो।

वहीं, एक अन्य फैन ने उनसे पूछा कि उनके जीवन का सबसे खुशहाल फैसला कौन-सा रहा है, तो रश्मिका ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि उन्होंने अपने सबसे अच्छे दोस्त से शादी की है।

23 साल के गैप को लेकर ट्रोल हुईं शूरा खान, ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब, बोलीं- अरबाज बुड्ढे नहीं, विंटेज मॉडल हैं

अरबाज खान ने साल 2023 में शूरा खान से शादी की थी। दोनों एक बेटी के माता-पिता भी हैं। हालांकि, दोनों के बीच करीब 23 साल का उम्र के अंतर होने की वजह से उन्हें अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रॉल्लिंग का सामना करना पड़ता है। इस मुद्दे पर पहले अरबाज अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं और अब शूरा खान ने भी उम्र के इस फासले को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए खुलकर बात की।

शूरा खान ने दिया ट्रोलर्स को दिया जवाब : हाल ही में शूरा खान ने सोशल मीडिया पर एक आस्क मी एनीथिंग सेशन आयोजन आयोजित किया, जिसमें उन्होंने फैंस के कई सवालों का जवाब दिया। इस दौरान एक यूजर ने उनसे पूछा कि क्या वह एक बुड्ढे आदमी से शादी कर के खुश हैं ? तो बेहद ही शांत और मजेदार अंदाज में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने ट्रॉल्लिंग का जवाब देते हुए कहा कि अरबाज खान कोई बूढ़े व्यक्ति नहीं हैं बल्कि विंटेज मॉडल हैं। उनका यह जवाब लोगों को बहुत पसंद आया और अब उनके फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं।

किसने रखा शूरा की बेटी का नाम: इसी सेशन में लोगों ने उन्हें बहुत से सवाल पूछे और एक सवाल पूछा कि आपकी बेटी का नाम किसने रखा ? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मेरी बेटी का नाम सलीम अंकल यानी अरबाज के पापा ने रखा है।

अरबाज के साथ पहली डेट का शेयर किया गुस्सा : अपने हालिया ऑनलाइन इंटरैक्शन के दौरान शूरा खान ने फैंस के कई मजेदार सवालों के जवाब दिए। जब एक यूजर ने पूछा कि उन्होंने अरबाज खान के साथ पहली डेट के लिए हां क्यों कहा, तो शूरा ने मजाकिया अंदाज में बताया कि वह उनसे एक शर्त हार गई थीं, इसलिए उन्हें अरबाज को डिनर पर ले जाना पड़ा। एक अन्य सवाल में उनसे उनके मौजूदा प्रोफेशन के बारे में पूछा गया, जिस पर उन्होंने खुद को पूरी तरह होम मेकर, मां और पत्नी बताया।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

कमजोर टीमों का शानदार प्रदर्शन, आज खेले गए चारों मैच रहे ड्रा

अटलांटा/मियामी: फीफा विश्व कप 2026 में कमजोर मानी जाने वाली टीमों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत आज खेले गये चारों मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए। केप वर्डे ने यूरोपीय चैंपियन स्पेन के खिलाफ शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन करते हुए गोल रहित ड्रॉ खेलकर सुर्खियां बटोरीं । दूसरे मैच में बेल्जियम और मिस्र के बीच और सऊदी अरब और उरुग्वे के बीच 1-1 से ड्रॉ हुए । दिन का आखिरी मैच शायद सबसे अच्छा था, क्योंकि ईरान और न्यूजीलैंड के बीच लॉस एंजिल्स में एक बेहद मनोरंजक 2-2 का ड्रॉ खेला गया।

दिन का पहला मैच खिलाड़ियों के शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन की बदौलत अफ्रीकी देश केप वर्डे ने मौजूदा यूरोपीय चैंपियन और 2026 विश्व कप के प्रबल दावेदार स्पेन के खिलाफ मुकाबला गोल रहित ड्रॉ खेला। दोनों टीमों ने अंक बांटे। मुकाबले की शुरूआत से ही की मजबूत रणनीति अपनाते हुए अफ्रीकी देश केप वर्डे ने लामिन-यामल के बिना खेल रही स्पेन को इस हद तक बेअसर कर दिया कि स्पेन के सेंटर फॉरवर्ड मिकेल ओयार्जाबल को शुरूआती आधे घंटे तक गेंद को छूने का भी मौका नहीं मिला। यह एक रिकार्ड है (1966 विश्व कप के बाद से जब से ये रिकॉर्ड रखे जा रहे हैं, तब से किसी भी खिलाड़ी के बिना गेंद को छुए

रहने का यह सबसे लंबा समय है)।

दूसरे हाफ में जब यामल मैदान में आए, तो स्पेन थोड़ा अधिक दृढ़ और आक्रामक नजर आया, लेकिन 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा और उनकी रक्षात्मक पंक्ति को भेदना नामुमकिन था। स्पेन के पास 74 प्रतिशत गेंद का कब्जा था, उसने उल्लेखनीय रूप से 27 शॉट लगाए लेकिन केप वर्डे के किले को नहीं भेद पाये। अंततः मुकाबला गोल राहित ड्रा पर समाप्त हुआ। मैच के बाद स्पेन की टीम कोच डी ला फुएंते ने कहा, ह्लामिन यामल के मैदान पर आते ही केप वर्डे के खेल का तरीका बदल गया। हमने सोचा था कि वह इतने समय तक खेल सकता है। हमें पूरा यकीन है कि अगले मैच में टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी।

सऊदी अरब और उरुग्वे के बीच खेला गया ग्रुप एच का मुकाबला दोनों ओर से आक्रामक प्रदर्शन के बावजूद 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इसी के साथ ग्रुप एच में सभी टीमें एक-एक अंक पर बराबरी पर आ गईं। यहां खेले गये मुकाबले अब्दुलेलह अल अमरी ने अपनी टीम के लिए पहला गोल किया जब फर्नांडो मुस्लेरा द्वारा छोड़ी गई लंबी दूरी की शॉट को रिबाउंड पर सबसे पहले पहुंचकर उन्होंने गोल दागा। पहले हाफ में उरुग्वे 1-0 से पीछे था, लेकिन दूसरे हाफ में उसने जोरदार शुरूआत की। डार्विन नुनेज को बाहर करने के बाद, मासेलो बिएल्सा ने मध्यांतर में एक बड़ा संदेश दिया और उनकी टीम ने वैसा ही प्रदर्शन किया जैसा कि वह अपनी टीम के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने अंत तक गोल पर 27 शॉट लगाए (जिनमें से 20 दूसरे हाफ में आए) और मोहम्मद अल ओवैस के शानदार बचाव की बदौलत ही वे सिर्फ एक गोल तक सीमित रह सके। वह गोल तब हुआ जब मैक्सी अरौजो ने बॉक्स के अंदर एक ढीली गेंद पर कब्जा जमाया और मुश्किल कोण से ओवैस को चकमा देते हुए गोल दाग दिया।

ग्रुप जी में मिस्र और बेल्जियम के बीच खेला गया रोमांचक मुकाबला 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ और दोनों टीमों ने अंक बांटे। सिएटल स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में मिस्र ने मैच की शुरूआत में ही बेहतर प्रदर्शन किया और मोहम्मद सलाह के पास पर इमाम अशूर ने बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट लगाकर थिबाउट कर्टोइस को पछाड़ते हुए बढ़त बना ली। यह एक शानदार गोल था। अशूर की लगातार आक्रामक दौड़ और सलाह की चतुराई, जिन्होंने सेंटर में नंबर 10 की भूमिका निभाते हुए बेल्जियम के डिफेंस के खिलाफ लगातार खाली जगह का फायदा उठाया, जो उन्हें रोकने के लिए संघर्ष कर रहा था।

बेल्जियम को भी मौके मिले, जिनमें केविन डी ब्रुइन का शानदार फ्रीकिक भी शामिल था, जो पोस्ट से टकराया। लेकिन रिकॉर्ड गोल करने वाले रोमेलु लुकाकू के मैदान में आने से ही मैच का रुख बदला। मैदान में आते ही 22 सेकंड के भीतर ही यह दमदार स्ट्राइकर बॉक्स में घुस गया और उसकी मौजूदगी से मोहम्मद हानी को इतनी उलझन हुई कि थॉमस म्यूनीर के निचले क्रॉस को उन्होंने अपने ही गोल में डाल दिया। हानी के लिए यह एक दुर्भाग्यपूर्ण क्षण था। बेल्जियम ने जीत के लिए पूरी ताकत झोक दी, लेकिन मजबूत रक्षा पंक्ति और मुस्तफा शोबेर के शानदार बचाव के दम पर मिस्र ने एक अंक हासिल कर लिया। अफ्रीकी दिग्गज टीम को अभी तक विश्व कप में एक भी जीत नहीं मिली है।

दिन का आखिरी मैच में ईरान ने अपने फीफा विश्व कप अभियान की शुरूआत न्यूजीलैंड के खिलाफ एक रोमांचक और कांटे की टक्कर वाले मुकाबले में 2-2 ड्रॉ के साथ की, इस दौरान न्यूजीलैंड की टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया। लॉस एंजिल्स के सोफी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में एलिजा जस्ट ने दो बार न्यूजीलैंड को बढ़त दिलाई, लेकिन ईरान के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हर बार शानदार वापसी की। रामिन रेजाइयन ने गोल किया और मोहम्मद मोहेबी को असिस्ट किया, जिससे ईरान ने लॉस एंजिल्स में जोरदार समर्थन के बीच आक्रामक खेल दिखाया। मैच के चारों गोल बेहतरीन तालमेल से बने मूव्स के दम पर आए और इस दौरान दोनों टीमों आक्रामक फुटबॉल का शानदार प्रदर्शन किया। ईरान के लिए रेजाईयन 33वें, मोहेबी ने 64वें मिनट में गोल किये। वहीं न्यूजीलैड की ओर से एलिजा जस्ट सातवें और 54 वें मिनट में गोल दागे।

न्यूज ब्रीफ

ईरान युद्ध में तबाही मचाने वाला अमेरिका का बी-52 बॉम्बर विमान क्रैश, 8 की मौत

वॉशिंगटनः ईरान के खिलाफ तबाही मचाने वाला अमेरिका का बी-52 बॉम्बर क्रैश हो गया है। हादसे में विमान में सवार 8 लोगों की मौत हो गई है। यह दुर्घटना कैलिफोर्निया के एडवर्ड्स हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुई। बेस ने यह भी पुष्टि किया कि बी-52 बॉम्बर के चालक दल के आठ सदस्यों के मारे जाने की आशंका है। यह जानकारी एडवर्ड्स वायु सेना बेस ने दी। बेस ने एक बयान में कहा, आठ लोगों को लेकर जा रहा वायु सेना का बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस विमान, एक रूटीन मिशन के दौरान आज सुबह 11:20 बजे पीडीटी (भारतीय समयानुसार सोमवार रात 11:50 बजे) उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शुरूआती संकेतों से पता चलता है कि इस हादसे में किसी के बचने की उम्मीद नहीं है। आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम मौके पर मौजूद है और अधिकारी सभी लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

बेस ने बताया कि हवाई क्षेत्र बंद कर दिया गया और आने वाले सभी विमानों का रास्ता बदला जा रहा था। बयान में कहा गया, अगले आदेश तक सभी गैर-व्यावसायिक विज़िटर पास निरस्त कर दिए गए हैं, ताकि संस्थान पूरी तरह से आपातकालीन प्रतिक्रिया कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सके। अमेरिकी मीडिया ने दुर्घटना के वीडियो जारी किए हैं, जिनमें जमीन का एक बड़ा हिस्सा जला हुआ दिख रहा है, विमान का मलबा मुश्किल से ही नजर आ रहा है और कुछ जगहों पर धुआं उठ रहा है। बयान के मुताबिक, दुर्घटना की जांच की जा रही है।

ब्रिटेन में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन

एजेंसी/लंदनः ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। सरकार का कहना है कि यह कदम बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा बढ़ाने, मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करने और सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए उठाया जा रहा है। स्टार्मर ने सोमवार को कहा कि पूर्ण प्रतिबंध ही सही विकल्प है। उनके अनुसार इससे बच्चों को अधिक सुरक्षित वातावरण मिलेगा और उन्हें पढ़ाई, खेलकूद तथा सामाजिक गतिविधियों के लिए अधिक समय मिलेगा। प्रस्तावित प्रतिबंध टिकटॉक, इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैपचैट, यूट्यूब और एक्स जैसे प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लागू होगा। हालांकि, व्हाट्सऐप और सिगनल जैसी मैसेजिंग सेवाएं इसके दायरे से बाहर रहेंगी। सरकार 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए लाइव-स्ट्रीमिंग और अजनबियों से संवाद की सुविधा देने वाले कुछ गेमिंग फीचर्स पर भी सख्त नियंत्रण लागू करेगी। ब्रिटिश सरकार ने बताया कि वह आस्ट्रेलिया के मॉडल का अनुसरण करेगी। आस्ट्रेलिया ने पिछले वर्ष 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू किया था और ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बना था। सरकार के अनुसार इस वर्ष के अंत तक आवश्यक नियम तैयार कर लिए जाएंगे और अगले वर्ष वसंत तक प्रतिबंध लागू किया जा सकता है। नई नीति से पहले सरकार ने शिक्षकों, अभिभावकों और युवाओं से व्यापक परामर्श किया। 1.16 लाख से अधिक प्रतिक्रियाओं में 83 फीसदी अभिभावकों ने माना कि सोशल मीडिया के जोखिम उसके लाभों से अधिक हैं, जबकि 90 फीसदी ने 16 वर्ष की न्यूनतम आयु सीमा का समर्थन किया।

यूएस में स्काई डाइविंग करने जा रहे यात्रियों का प्लेन क्रैश हादसे में 12 लोगों की मौत

एजेंसी/ वाशिंगटनः अमेरिका के मिसौरी राज्य में रविवार को विमान हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार यह छोटा विमान स्काइडाइविंग के लिए यात्रियों को लेकर उड़ान भर रहा था, लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा मिसौरी के बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट के पास हुआ। बटलर शहर कैनसस सिटी से लगभग 105 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। दुर्घटना के बाद विमान में भीषण आग लग गई, जिससे किसी के बचने की संभावना नहीं रही। मिसौरी स्टेट हाई-वे पेट्रोल के सार्जेंट जस्टिन इविंग ने बताया कि रविवार सुबह करीब 11.30 बजे आपातकालीन सेवाओं को सूचना मिली कि एक विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर आग की लपटों में घिर गया है। राहत और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक विमान पूरी तरह जल चुका था।

भारत में कई जगह ड्रोन अटैक की आशंका सरकार का एजेंसियों को अलर्ट जारी

एंटी ड्रोन सिस्टम की तैनाती शुरू

नई दिल्लीः देश की सीमाओं और रणनीतिक महत्व के प्रतिष्ठानों पर संभावित ड्रोन हमलों के खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और आवश्यक सुरक्षा उपाय तत्काल लागू करने के निर्देश दिए हैं। जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय के समुद्री सुरक्षा प्रकोष्ठ ने इस संबंध में एक विशेष चेतावनी जारी करते हुए सीमा क्षेत्रों और महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की सुरक्षा मजबूत करने पर जोर दिया है।

मंत्रालय द्वारा जारी निदेर्शों में कहा गया है कि वर्तमान वैश्विक सुरक्षा परिस्थितियों को देखते हुए ड्रोन आधारित खतरों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसे हमले महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के संचालन को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए सीमावर्ती क्षेत्रों तथा संवेदनशील ठिकानों पर अत्याधुनिक एंटी-ड्रोन सिस्टम स्थापित किए जाने की आवश्यकता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार चेतावनी के बाद विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने देशभर के महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है। विशेष रूप से सीमा क्षेत्रों में ड्रोन गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई जा रही है। इसी क्रम में गृह मंत्रालय ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के नेतृत्व में एक विशेष समिति का गठन किया है, जिसका उद्देश्य देश के लिए सबसे प्रभावी एंटी-ड्रोन तकनीकों का परीक्षण और मूल्यांकन करना है। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान सीमा से सटे पंजाब सहित अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में इन प्रणालियों की तैनाती के लिए परीक्षण प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है।

वहीं, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने भी एक संयुक्त विशेषज्ञ टीम का गठन किया है। इस टीम में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी), एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) और बीएसएफ के अधिकारी शामिल हैं। टीम विभिन्न महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों का दौरा कर सुरक्षा आवश्यकताओं का आकलन कर रही है। रिपोर्ट और गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद संबंधित स्थानों पर उपयुक्त एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए जाएंगे। इस बीच, तमिलनाडु के तूतीकोरिन स्थित वीओ. चिदंबरनार पोर्ट देश का पहला बंदरगाह बन गया है, जहां उन्नत एंटी-ड्रोन सुरक्षा प्रणाली स्थापित की गई है। फरवरी 2026 में शुरू की गई इस परियोजना के तहत रेडियो फ्रीक्वेंसी और रडार आधारित तकनीक का उपयोग किया जा रहा है, जो संदिग्ध ड्रोन की पहचान करने के साथ-साथ उन्हें निष्क्रिय या जाम करने में भी सक्षम है। अधिकारियों का कहना है कि यह प्रणाली 360 डिग्री निगरानी क्षमता से लैस है और बंदरगाह क्षेत्र की विशेष सुरक्षा जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। सरकार का मानना है कि ऐसे कदम देश की हवाई और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 और अमृत काल विजन 2047 के लक्ष्यों को भी गति प्रदान करेंगे।

रूस का अब तक का सबसे भयावह हमला, कीव पर बरसाए 600 ड्रोन, 70 मिसाइलें, 11 की मौत

एजेंसी/ कीवः रूस ने रात के अंधेरे में यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया। सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलें दागीं, जिसमें 11 लोग मारे गए और 1000 साल पुराना एक मशहूर चर्च भी जल गया। 15 जून की रात रूस ने यूक्रेन के दो सबसे बड़े शहरों झ्र राजधानी कीव और दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव पर एक साथ हमला किया। यह हमला रात को हुआ, जब लोग सो रहे थे। रूस ने एक साथ 70 मिसाइलें और 611 ड्रोन दागे। यानी कुल मिलाकर 681 हथियार एक ही रात में। यूक्रेन की सेना ने इनमें से 632 को हवा में ही मार गिराया। यानी 50 मिसाइलें और 582 ड्रोन रोके गए, लेकिन फिर भी 20 बैलिस्टिक मिसाइलें और 27 ड्रोन यूक्रेन के 42 अलग-अलग जगहों पर जा गिरे।

कीव के रिहायशी इलाके में एक इमारत में लगी आग को बुझाने के लिए फायरफाइटर काम कर रहे हैं। कीव के शेवचेनकिव्स्की इलाके में 30 मिनट से भी कम समय में पांच बार हमले हुए। एक 25 मंजिला अपार्टमेंट बिल्डिंग पर हमला हुआ। एक बाजार और एक किराने की दुकान में आग लग गई। ओबोलोंस्की इलाके में 9 मंजिला रिहायशी इमारत सीधे निशाने पर आई। आसमान में काले धुएं के बादल छा गए। कीव में जोरदार धमाकों की आवाजें गूंजती रहीं और लोग अंडरग्राउंड शेल्टर में छुपते रहे। इस हमले में कीव का सबसे मशहूर धार्मिक स्थल कीव-पेचेर्स्क लावरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ये एक 11वीं सदी का मठ है यानी करीब 1000 साल पुराना। इसे मोनेस्ट्री ऑफ द केव्स यानी गुफाओं का मठ भी कहते हैं। यूनेस्को ने इसे वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित किया हुआ है। इस परिसर में कई चर्च और इमारतें हैं, जो 11वीं से 19वीं सदी के बीच बनी हैं। इनके नीचे 600 मीटर से भी लंबी गुफाओं का एक पूरा जाल है. रूसी ड्रोन ने इसके डॉर्मिशन कैथेड्रल की छत में आग लगा दी. ⁄यूके न के ऑर्थोडॉक्स चर्च के प्रमुख मेट्रोपॉलिटन एपिफेनियस ने इसे इनसानियत, इतिहास और ईसाई धर्म के खिलाफ अपराध बताया।

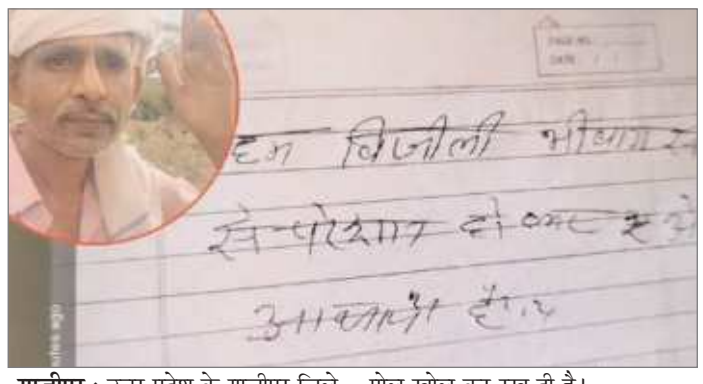

1.85 लाख के बिजली बिल और अधिकारियों की प्रताड़ना से हार गया पान विक्रेता, सुसाइड नोट लिखकर दी जान

गाजीपुर : उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले से एक ऐसा सिस्टम को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जो किसी की भी रूह कंपा देगा। जिले के सैदपुर थाना क्षेत्र स्थित मुरादचक गांव में एक छोटी सी गुमटी में पान बेचकर अपने परिवार का पेट पालने वाले सुरेंद्र कश्यप ने जहर (सल्फास) खाकर अपनी जान दे दी। कथित तौर पर सुरेंद्र बिजली विभाग के भारी-भरकम बिल और वसूली के लिए अधिकारियों द्वारा बनाए जा रहे लगातार दबाव से गहरे तनाव में थे। मृतक के पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसने सरकारी महकमे की संवेदनहीन कार्यप्रणाली की पोल खोल कर रख दी है।

एक लाख का जुर्माना बढ़कर हुआ 1.85 लाखः मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक साल पहले बिजली विभाग की विजिलेंस टीम ने सुरेंद्र की छोटी सी पान की दुकान पर छापेमारी की थी। इस सख्त कार्रवाई के बाद उन पर लगभग 1 लाख 12 हजार रुपये का भारी-भरकम जुमार्ना और बकाया बिल थोप दिया गया। रोज कुआं खोदकर पानी पीने वाले एक गरीब पान विक्रेता के लिए यह रकम चुकाना नामुमकिन था। बाद में जब यह मामला तहसील पहुंचा और वसूली के लिए आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) जारी हुई, तो यह बकाया राशि बढ़कर लगभग 1 लाख 85 हजार रुपये हो गई।

दफ्तरों के काटे चक्कर, मिली सिर्फ मानसिक प्रताड़नाः परिजनों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि सुरेंद्र इस बिल को कम कराने और थोड़ी सी मोहलत पाने के लिए लगातार बिजली विभाग और तहसील के अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काट रहे थे। लेकिन मदद की गुहार लगा रहे इस गरीब को राहत मिलने के बजाय सिर्फ मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। राजस्व कर्मी और बिजली विभाग के लोग अक्सर उनकी दुकान पर आ धमकते थे और वसूली के लिए धमकाते हुए उनकी रोजी-रोटी का इकलौता साधन (दुकान) बंद कराने की चेतावनी देते थे।

म्मै मर जाऊं, तो शायद बिल खत्म हो जाएगा : इस दर्दनाक घटना के बाद मृतक की पत्नी ज्ञानती ने रोते हुए जो बताया, वह हर किसी की आंखें नम कर देगा। उन्होंने बताया कि सुरेंद्र हमेशा भारी तनाव में रहते थे और अक्सर कहते थे कि अगर मैं मर जाऊं, तो शायद यह बिल और जुर्माना खत्म हो जाएगा। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले ही बदहाल थी, ऊपर से दो जवान बेटियों की शादी की चिंता और हर दिन बढ़ते कर्ज के इस बोझ ने सुरेंद्र की सारी उम्मीदें तोड़ दीं।

ट्रांसजेंडर कानून पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, अलग-अलग अदालत में सुनवाई पर रोक, केंद्र की याचिका पर नोटिस जारी

नई दिल्लीः उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को केंद्र सरकार की उन याचिकाओं पर नोटिस जारी किए, जिनमें विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित कई मामलों को स्थानांतरित करने की मांग की गईहै। इन याचिकाओं में ट्रांसजेंडर (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी मोहन की एक अवकाशकालीन पीठ ने निर्देश दिया कि विभिन्न उच्च न्यायालयों में लंबित सभी संबंधित मामलों की कार्यवाही पर अगले आदेश तक रोक रहेगी। पीठ ने उन याचिकाकताओं को भी नोटिस जारी किए, जिन्होंने उच्च न्यायालयों में ट्रांसजेडर (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2026 को चुनौती दी है और केंद्र की स्थानांतरण याचिकाओं पर उनसे जवाब मांगा है। पीठ ने टिप्पणी की कि वह या तो सभी याचिकाओं को उच्चतम न्यायालय में स्थानांतरित कर सकती है या उन्हें एक साथ जोडकर फैसले के लिए किसी एक विशेष उच्च न्यायालय को सौंप सकती है। केंद्र सरकार ने राजस्थान, कर्नाटक, केरल और दिल्ली उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं को स्थानांतरित करने की मांग की है। केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय से आग्रह किया कि यदि मामलों को उच्चतम न्यायालय में स्थानांतरित किया जाता है, तो उनकी सुनवाई तीन जजों की पीठ को करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 2014 का नालसा फैसला, जो ट्रांसजेडर संशोधन अधिनियम, 2026 की चुनौतियों का आधार है, उसे दो जजों की पीठ ने सुनाया था।

अमेरिका -ईरान समझौते का दुनिया भर के नेताओं ने किया स्वागत

इजरायल ने कहा, समझौता हमारे लिए बाधा नहीं

नई दिल्लीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की घोषणा किए जाने के बाद दुनिया भर के नेताओं ने इसका स्वागत किया है। कई देशों ने इसे एक बड़ी कूटनीतिक सफलता बताया है, जो पश्चिम एशिया में स्थिरता बहाल करने, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और क्षेत्र में महीनों से जारी संघर्ष के कारण पैदा हुए आर्थिक दबाव को कम करने में मददगार साबित हो सकती है। यह समझौता पाकिस्तान की अगवाई में हुई मध्यस्थता और कई दौर की बातचीत के बाद सामने आया है। कतर, तुर्किये, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस समेत कई देशों ने दोनों पक्षों से समझौते को पूरी तरह लागू करने और संवाद के जरिए स्थायी शांति की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की है।

इस प्रस्तावित डील पर 19 जून को हस्ताक्षर किए जा सकते हैं. पाकिस्तान के पीएम ने कहा कि स्विट्जरलैंड में इसकी औपचारिकता पूरी की जाएगी। इस शांति समझौते को पूरा करवाने के लिए उन्होंने कतर, सऊदी अरब और तुर्किये को धन्यवाद किया। वहीं ईरान ने भी शुक्रवार को इस डील पर साइन करने की बात को कन्फर्म कर दिया है। ईरान के कानूनी और अंतरराष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि समझौते पर आधिकारिक हस्ताक्षर शुक्रवार को किए जाएंगे।

कतर ने कहा, स्थायी शांति की दिशा में अहम कदमः कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते का स्वागत किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि हम संयुक्त राज्य अमरीका और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन का स्वागत करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगे की वार्ताएं सकारात्मक और रचनात्मक माहौल में आगे बढ़ेंगी।

एर्दोआन बोले, लंबे समय से था खबर का इंतजारः तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन ने इस समझौते को क्षेत्र में शांति और स्थिरता स्थापित करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम बताया। उन्होंने कहा कि मैं दिल से उम्मीद करता हूं कि यह खबर, जिसका पूरी दुनिया लंबे समय से इंतजार कर रही थी, हमारे क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा का माहौल बनाने का रास्ता खोलेगी। एर्दोआन ने सभी पक्षों को उकसावे वाली गतिविधियों से बचने की सलाह दी और कूटनीतिक प्रयासों में योगदान देने के लिए सहयोगी देशों का आभार व्यक्त किया।

जर्मनी ने बताया वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेतः जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने समझौते का स्वागत करते हुए इसे दूरगामी प्रभाव वाला कूटनीतिक समाधान बताया। उन्होंने कहा कि मैं अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते का स्वागत करता हूं और राष्ट्रपति ट्रंप तथा ईरानी पक्ष को इस कूटनीतिक सफलता के लिए बधाई देता हूं। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई गति देने और पश्चिम एशिया को अधिक सुरक्षित बनाने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

अपनी सुरक्षा से जुड़े फैसले खुद करेगा इजरायलः इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर ने साफ शब्दों में कहा है कि ट्रंप की मध्यस्थता से तैयार हुआ यह समझौता इजरायल पर लागू नहीं होता। उन्होंने कहा कि इजरायल एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र है तथा वह अपनी सुरक्षा से जुड़े फैसले खुद करेगा। बेन-गवीर ने कहा कि इजरायल इस समझौते का हिस्सा नहीं है और इसलिए यह उस पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इजरायल अमरीका का सम्मान करता है और राष्ट्रपति ट्रंप का आभारी है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में कोई भी बाहरी समझौता उसके निर्णयों को नियंत्रित नहीं कर सकता।

ब्रिटेन ने युद्ध समाप्ति की दिशा में बड़ी उपलब्धि बतायाः ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस समझौते को युद्ध समाप्त करने, क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की दिशा में बेहद महत्त्वपूर्ण कदम बताया। स्टार्मर ने कहा कि मैं राष्ट्रपति ट्रंप और पाकिस्तान, कतर समेत उन सभी मध्यस्थों को बधाई देता हूं, जिन्होंने इस महत्त्वपूर्ण सफलता में योगदान दियाख्न उन्होंने जोर देकर कहा कि समझौता ज्ञापन को पूरी तरह लागू किया जाना चाहिए और ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाना चाहिए। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यूनाइटेड किंगडम तकनीकी वाताओं और समुद्री सुरक्षा अभियानों में सहयोग देने के लिए तैयार है। इसमें अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर समुद्री मार्गों से बारूदी सुरंगों को हटाने जैसे प्रयास भी शामिल हैं।

फ्रांस ने बिना देरी होर्मुज स्ट्रेट खोलने पर दिया जोरः फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने समझौते को जल्द से जल्द लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इसका सबसे महत्त्वपूर्ण परिणाम होर्मुज जलडमरूमध्य का बिना किसी शर्त के दोबारा खुलना चाहिए। मैक्रों ने कहा कि यह समझौता होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल और बिना किसी शर्त के खोलने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने बताया कि फ्रांस और ब्रिटेन अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात को सामान्य बनाने के प्रयासों में सहयोग देने के लिए तैयार हैं। मैक्रों ने यह भी कहा कि इस समझौते के बाद ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों के साथ-साथ क्षेत्रीय सुरक्षा से जुड़े व्यापक मुद्दों पर भी आगे बातचीत होनी चाहिए।

न्यूज IN ब्रीफ

आचार्य अनंत कुमार पाठक ने वरीय पत्रकार बिनय मिश्रा को दिया आशीर्वाद

प्रकांड विद्वान और आचार्य अनंत कुमार पाठक श्रीमद् भागवत कथा संपन्न होने के पश्चात मेट्रो रेज के ब्यूरो चीफ कार्यालय पहुंचे और वरीय पत्रकार विनय मिश्रा को आशीर्वाद दिया चक्रधरपुर में श्रीमद् भागवत कथा संपन्न होने के पश्चात प्रकांड विद्वान व बनारस से आचार्य की उपाधि प्राप्त करने वाले अनंत कुमार पाठक मेट्रो रेज कार्यालय पहुंचे और वरीय पत्रकार विनय मिश्रा को आशीर्वाद और शुभकामना दी। विदित हो कि कई दिनों तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन कर श्री पाठक भक्तजनोंऔर श्रद्धालुओं के बीच अमृत बरसाते रहे।इस कथा में काफी संख्या में श्रद्धालु और भक्तजनों ने कथा का आनंद लिया। श्रीमद्भागवत कथा में आचार्य अनंत कुमार पाठक के साथ पुजारी मनोरंजन कुमार भी उपस्थित

भगवान महाबीर आई हॉस्पिटल का नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन

खूंटी : भगवान महाबीर आई हॉस्पिटल के तत्वावधान तथा समाजसेवी लक्ष्मी बखला के सहयोग से रहही-बिरहू पंचायत अंतर्गत रेखा गांव में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी आंखों की जांच कराई।

शिविर में अनुभवी नेत्र चिकित्सकों द्वारा आधुनिक उपकरणों की सहायता से लगभग 150 लोगों की नेत्र जांच की गई। जांच के दौरान 117 जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क चश्मा प्रदान करने के लिए चयनित किया गया, जिनका वितरण शीघ्र ही रेखा गांव में किया जाएगा। वहीं जांच के क्रम में 10 लोगों में मोतियाबिंद की समस्या पाई गई, जिन्हें आगे के उपचार के लिए आवश्यक परामर्श दिया गया। कार्यक्रम में भगवान महाबीर आई हॉस्पिटल की टीम के साथ-साथ कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इनमें विनोद कुमार अग्रवाल, अजय भंडारी, अरुण छाबड़िया, सी.के. जैन, आलोक तुलस्यान, दीपक मान, पॉल ऑप्टिकल के संजय पाल, आदित्य लाखोटिया, सुनील गुप्ता एवं प्रकाश महतो सहित अन्य लोग शामिल थे।

ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाजसेवी लक्ष्मी बखला के प्रयासों से आयोजित यह नेत्र जांच शिविर आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों के लिए काफी लाभदायक साबित होगा। उपस्थित लोगों ने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की अपेक्षा जताई।

शिविर के सफल आयोजन से ग्रामीणों को बेहतर नेत्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उपायुक्त ने सिमरिया में विद्यालय एवं रेफरल अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

चतरा : जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद ने सोमवार को सिमरिया प्रखंड क्षेत्र का दौरा कर राजकीय अनुसूचित जाति आवासीय बालिका उच्च विद्यालय, सिमरिया एवं रेफरल अस्पताल, सिमरिया का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षा, छात्र कल्याण, आधारभूत सुविधाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त सर्वप्रथम राजकीय अनुसूचित जाति आवासीय बालिका उच्च विद्यालय, सिमरिया पहुंचे। उन्होंने विद्यालय परिसर का भ्रमण कर कक्षा-कक्ष, छात्रावास, भोजनालय, रसोईघर, शौचालय, पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। विद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।विद्यालय परिसर का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने नालियों की साफ-सफाई नियमित रूप से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही नालियों के ऊपर लगे क्षतिग्रस्त लोहे की जालियों को शीघ्र बदलने तथा परिसर की स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने को कहा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षा-कक्षों में रखे टूटे एवं जर्जर टेबल-बेंचों को देखकर उनकी मरम्मत कराने तथा आवश्यकता के अनुसार नए टेबल-बेंच उपलब्ध कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।उपायुक्त ने विद्यालय की छात्राओं से सीधे संवाद कर पठन-पाठन की स्थिति, शिक्षकों की उपलब्धता, छात्रावास में मिलने वाली सुविधाएं, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन बनाए रखने तथा उपलब्ध अवसरों का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर स्थित रसोईघर की व्यवस्था को देखकर उपायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि रसोईघर की साफ-सफाई एवं रखरखाव में तत्काल सुधार किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि छात्राओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि छात्राओं के स्वास्थ्य एवं पोषण से किसी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। इस दौरान विद्यालय भवन निर्माण से संबंधित लंबित एवं अधूरी परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। निरीक्षण के क्रम में जानकारी दी गई कि कुछ विद्यालयों में पूर्व से अधूरे भवन निर्माण के मामलों में संबंधित लापरवाह व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इस पर उपायुक्त ने मामले की समीक्षा करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।विद्यालय निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने रेफरल अस्पताल, सिमरिया का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाएं, दवा वितरण व्यवस्था, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंजीकरण कक्ष, दवा वितरण कक्ष, ड्रेसिंग रूम, ऑपरेशन थियेटर, एक्स-रे कक्ष, प्रसव कक्ष, ऑब्जर्वेशन कक्ष, ट्रायएज कक्ष, बेबी कॉर्नर, आयुष्मान मदर एंड न्यूबॉर्न केयर यूनिट, आयुष्मान वार्ड, महिला वार्ड, जनरल वार्ड सहित विभिन्न चिकित्सा इकाइयों का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं दवा उपलब्धता के संबंध में फीडबैक भी प्राप्त किया।उपायुक्त ने अस्पताल परिसर की स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ करने, मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने तथा आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने निमार्णाधीन नए अस्पताल भवन का भी जायजा लिया तथा निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

गैरेज संचालक की अगवा कर हत्या पत्थर से कुचलकर उतारा मौत के घाट

संवाददाता

खूंटी : जिला के रनिया थाना क्षेत्र के तांबा जंगल में 44 वर्षीय गैरेज संचालक राधेश्याम साहू की अज्ञात अपराधियों द्वारा कथित रूप से अगवा कर निर्मम हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। अपराधियों ने पत्थर से सिर कुचलकर उनकी हत्या कर दी। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 8 बजे तांबा जंगल के किनारे सड़क के समीप लोगों ने एक स्कूटी के पास संदिग्ध अवस्था में शव पड़ा देखा। शव को देखकर स्थानीय लोगों ने तत्काल रनिया थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (तोरपा) विजय कुमार सिंह एवं रनिया थाना प्रभारी श्यामल कुंभकार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि राधेश्याम साहू को सोमवार तड़के करीब 3 बजे बोलेरो वाहन से पहुंचे लगभग पांच अज्ञात अपराधियों ने उनके आवास से जबरन उठा लिया था। इसके कुछ घंटे बाद उनका शव तांबा जंगल में बरामद हुआ। मृतक राधेश्याम साहू मूल रूप से खूंटी जिले के तपकरा थाना क्षेत्र स्थित डिग्री गांव के निवासी थे। वे रनिया में किराये के मकान में रहकर प्रखंड कार्यालय

के निकट मोटरसाइकिल गैरेज का संचालन करते थे। उनकी हत्या की खबर मिलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों में शोक एवं आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने घटनास्थल से मृतक के शरीर पर लिपटा हुआ कंबल तथा हत्या में प्रयुक्त होने की आशंका वाला पत्थर बरामद कर अपने कब्जे में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। तकनीकी अनुसंधान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक हत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना में शामिल अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

नीट परीक्षा के फर्जी प्रश्नपत्र मामले में मुजफ्फरपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चार आरोपी गिरफ्तार

बिनय मिश्रा

मुजफ्फरपुर पुलिस ने नीट परीक्षा का फर्जी प्रश्नपत्र तैयार कर टेलीग्राम के माध्यम से बेचने एवं अभ्यर्थियों को ठगी का शिकार बनाने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई के साथ ही इस कांड में अब तक कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

गिरफ्तार आरोपियों के पास से तीन मोबाइल फोन सहित कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं। पुलिस द्वारा बरामद सामग्री के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क की जांच की जा रही है।

इस पूरे अभियान का सफल संचालन मुजफ्फरपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया। उनकी सतर्क निगरानी और अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के कारण लगातार अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने कहा कि परीक्षा की पवित्रता से खिलवाड़ करने वालों और युवाओं के भविष्य के साथ धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अपराधी चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो, कानून के शिकंजे से बच नहीं सकता। मुजफ्फरपुर पुलिस की इस कार्रवाई से आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले की जांच जारी है तथा गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर जल्द ही उनके विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मृत गौवंश का बजरंग दल ने किया अंतिम संस्कार

संवाददाता

खूंटी : प्रेम नगर के समीप सड़क दुर्घटना में एक गौवंश की मृत्यु हो जाने के बाद बजरंग दल के कार्यकताओं ने उसका सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया। घटना की जानकारी बजरंग दल के जिला सह संयोजक कर्मवीर महतो को आकाश साहू द्वारा दी गई। सूचना मिलते ही कर्मवीर महतो ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्यकताओं की एक टीम गठित की। इसके बाद बजरंग दल के सदस्य घटनास्थल पर पहुंचे और मृत गौवंश को सड़क से हटाकर सुरक्षित स्थान पर ले गए। तत्पश्चात पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ उसका अंतिम संस्कार (दफन) किया गया। इस सेवा कार्य में खूंटी नगर सह संयोजक आदर्श सिंह, आकाश साहू, श्रीकांत कश्यप, हर्ष त्रिपाठी, अभिषेक कुमार, सत्यम कुमार, श्रेयान कुमार, प्रतीक सिंह, अंशु कर, अर्शदीप चौरसिया, अभिषेक साहू समेत अन्य बजरंग दल कार्यकताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर कार्यकताओं ने कहा कि गौ सेवा एवं गौ संरक्षण समाज की आस्था और संवेदनशीलता से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि संगठन भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों के लिए सदैव तत्पर रहेगा।

स्थानीय लोगों ने भी बजरंग दल के इस मानवीय पहल और सेवा भाव की सराहना करते हुए कार्यकताओं के प्रयासों की प्रशंसा की।

किसान गोष्ठी में दलहन खेती और संतुलित उर्वरक उपयोग पर दिया गया जोर

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) योजना के तहत हैदरनगर प्रखंड की चौकड़ी पंचायत सचिवालय में सोमवार को किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत की मुखिया शारदा देवी ने की। गोष्ठी में पंचायत के प्रगतिशील किसान, कृषि मित्र एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन सहायक तकनीकी प्रबंधक प्रवीण जहां ने किया। इस अवसर पर कृषि विशेषज्ञ शनि कुमार ने बताया कि गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत खेती और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी देना है।गोष्ठी में किसानों को दलहन एवं तिलहन फसलों की वैज्ञानिक खेती, प्राकृतिक एवं जैविक खेती की संभावनाओं, समेकित पोषक तत्व प्रबंधन, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा कम अवधि वाले धान की खेती के संबंध में विस्तार से जानकारी दी

गई।

सहायक तकनीकी प्रबंधक प्रवीण जहां ने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों और कम वर्षा की संभावनाओं को देखते हुए किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों के साथ जैविक खेती अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने किसानों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि संतुलित उर्वरक उपयोग और वैज्ञानिक खेती से उत्पादन लागत कम करने के साथ किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है।कार्यक्रम में पंचायत समिति सदस्य कविता देवी, कृषि मित्र कुणाल सिंह, विधायक प्रतिनिधि शमीम खान सहित सैकड़ों किसानों ने अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की।

नशा मुक्ति का संदेश लेकर सड़कों पर उतरे हैदरनगर हाई स्कूल के छात्र-छात्राएं

मेट्रोरेज संवाददाता

हैदरनगर : मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय, हैदरनगर के छात्र-छात्राओं ने सोमवार को उत्साहपूर्वक नशा मुक्ति प्रभात फेरी एवं जागरूकता रैली निकाली। यह कार्यक्रम स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के पत्रांक-2308 के आलोक में आयोजित किया गया।

रैली का नेतृत्व विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक बैजनाथ राम ने किया। इस दौरान छात्र-छात्राएं हाथों में तख्तियां और जागरूकता संदेश लिखे पोस्टर लेकर नशे के दुष्प्रभावों से लोगों को अवगत कराते नजर आए। रैली में शामिल विद्यार्थियों ने ₹नशा मुक्त रहें, सुरक्षित हो घर-परिवार₹, ₹हमने ठाना है, नशा मुक्त समाज बनाना है₹ जैसे प्रेरणादायक नारे लगाकर लोगों को जागरूक किया।प्रभारी प्रधानाध्यापक बैजनाथ राम ने

कहा कि मादक पदार्थों का सेवन समाज के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। इसके कारण लोग विभिन्न बीमारियों के शिकार हो रहे हैं और परिवारों को आर्थिक, सामाजिक एवं मानसिक संकटों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की।

छात्रा सौम्या कुमारी ने कहा कि खुशहाल और समृद्ध परिवार के लिए नशामुक्त जीवनशैली अपनाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने अपने आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने अपने परिवार और समाज को नशामुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। रैली को सफल बनाने में शिक्षक प्रशांत कुमार, अजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, प्रियंका कुमारी और रणजीत कुमार की सक्रिय भूमिका रही।

समन्वय समिति की बैठक में उपायुक्त ने योजनाओं के गुणवत्तापूर्ण पर दिया जोर

संवाददाता

खूंटी : समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त मो. जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति (विकास) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा उनके समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में पशुपालन, सहकारिता, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, आपूर्ति, मत्स्य, मनरेगा, भूमि संरक्षण, खनन, समाज कल्याण, पेयजल, विद्युत एवं कल्याण विभाग सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी विभागों को योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने का निर्देश दिया। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना में अधिक लाभुकों को जोड़ने, चयन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने, सत्यापन के बाद भुगतान करने तथा नियमित जियो टैगिंग सुनिश्चित करने को कहा गया।

सहकारिता विभाग की समीक्षा में अड़की एवं मुरहू प्रखंड में 100 एमटी क्षमता के गोदाम निर्माण हेतु भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही 500 एमटी क्षमता वाले स्वीकृत गोदामों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने मुरहू स्थित कोल्ड स्टोरेज को शीघ्र चालू कराने, लैम्प्स केंद्रों एवं गोदामों की संख्या बढ़ाने तथा शत-प्रतिशत धान अधिप्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। आपूर्ति विभाग की समीक्षा में सभी राशन कार्डधारियों को नियमित रूप से खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। बैठक में प्रत्येक माह की 2 तारीख को ₹चावल दिवस₹ मनाने का निर्णय लिया गया, जिसके तहत व्यापक स्तर पर खाद्यान्न वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने मोतियाबिंद ऑपरेशन की संख्या बढ़ाने,

अस्पतालों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा मलेरिया रोकथाम के लिए जनजागरूकता और दवा छिड़काव अभियान चलाने का निर्देश दिया। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा में निमार्णाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल एवं बिजली की सुविधा सुनिश्चित करने तथा गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य कराने के निर्देश दिए गए। जिन केंद्रों के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां शीघ्र भूमि चिन्हित करने को कहा गया। शिक्षा विभाग को विद्यालयों में शत-प्रतिशत शिक्षक उपस्थिति सुनिश्चित करने, विद्यार्थियों के बीच समय पर पोशाक एवं पाठ्यपुस्तकों का वितरण करने तथा शैक्षणिक गतिविधियों को प्रभावी बनाने का निर्देश दिया गया।

मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना एवं अन्य योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लाभुकों तक पहुंचाने तथा तालाब बंदोबस्ती कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

मनरेगा के तहत 100 मानव दिवस सृजन, बिरसा हरित ग्राम योजना, टीसीबी, एफबी, दीदी बाड़ी, बिरसा कूप संवर्धन योजना, बाबासाहेब अंबेडकर आवास, अबुआ आवास एवं प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए इनके प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। खनन विभाग की समीक्षा में उपायुक्त ने जिले में अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने, नियमित छापेमारी अभियान चलाने तथा अवैध बालू खनन में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय एवं टीम भावना के साथ कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर आम लोगों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। बेहतर तालमेल और निरंतर संवाद के माध्यम से जिले के समग्र विकास को गति दी जा सकती है। बैठक में प्रवीण कुमार प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।